@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 161 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्रियों को दी बधाई

• उनके नेतृत्व में राज्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी को बधाई दी और उनके नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास का विश्वास जताया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सम्राट चौधरी की ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव बिहार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राज्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा। प्रधानमंत्री ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का व्यापक अनुभव और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता राज्य के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि नई सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगी।

'मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए'

• अब उन्हें देश से बाहर करना लक्ष्य : गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से घुसपैठियों के केवल नाम हटाए हैं, जबकि अगला कदम उन्हें देश की सीमाओं से बाहर करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। कूचबिहार जिले के तुफानगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर पूर्वी सीमाओं को इस तरह सील किया जाएगा कि 'परिंदा भी पर नहीं मार सके।' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक भूमि

उपलब्ध नहीं करा रही हैं। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद 45 दिनों के भीतर सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल घुसपैठ रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि जो लोग पहले से देश में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें बाहर निकालना भी आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार घुसपैठ के मुद्दे पर गंभीर नहीं है। हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद खड़ा किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उत्तर बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के बजट में इस क्षेत्र को अपेक्षित महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर राजबंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और 'नारायणी बटालियन' के गठन जैसे कदम उठाए जाएंगे।

हुमायूं कबीर को 'मोहरा' बनाकर ममता ने रची थी बाबरी मस्जिद निर्माण की साजिश : अमित शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर को 'मोहरा' बनाकर राज्य में बाबरी जैसी मस्जिद निर्माण की साजिश रची जा रही है। अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने हुमायूं कबीर को पार्टी से अलग कर एक राजनीतिक रणनीति के तहत आगे बढ़ाया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 'बाबरी मस्जिद जैसा ढांचा' बनाने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में उनका पूरा ध्यान केवल अपने भतीजे को आगे बढ़ाने पर रहा है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारों में उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश का हर नागरिक परिवार के सदस्य जैसा है, जबकि ममता बनर्जी केवल अपने परिजनों को आगे बढ़ाने में लगी हैं। अमित शाह ने दावा किया कि बिहार और ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की बारी है।

मायावती ने किया महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन, कांग्रेस को घेरा

• ये काफी लंबा इंतजार हुआ : पूर्व मुख्यमंत्री मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव पर अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये काफी लंबा इंतजार हुआ, लेकिन हम इसका स्वागत करते है। बसपा प्रमुख मायावती बुधवार को एक यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि एससी-एसटी एवं ओबीसी समाज के हित व कल्याण के मामले में पार्टी की सुझाव की तरफ सरकार ध्यान देती तो यह बेहतर होगा। उन्होंने कांग्रेस-सपा पर हमला भी बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के बेस वोट, दलितों को लुभावने के लिए पिछले कुछ समय से विरोधी दल कार्यक्रमों

में नीले रंग के कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दलितों पर कुछ भी असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि इन पर केवल बसपा के नीले रंग का ही असर पड़ता है। अन्य किसी और रंग का नहीं, यह विरोधियों को ध्यान में रखकर चलना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि वास्तव में महिला आरक्षण की असली हकदार शोषित व उपेक्षित वर्गों में खासकर सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से लगातार पछाड़े जा रहे एससी-एसटी ओबीसी समाज की महिलाओं को, यदि इसमें अलग से व्यवस्था की जाती तो यह उचित होता। ऐसा नहीं होने से इन वर्गों की महिलाओं को आरक्षण का पूरा लाभ मिल क्या मिल पाएगा। इसमें लोगों काफी संदेह है और महिला आरक्षण के वास्तविक उद्देश्य को काफी हद तक नकारने जैसा है।

श्रमिक आंदोलन भड़काने में मजदूर बिगुल दस्ता का हाथ

• पुलिस ने अब तक 17 वॉट्सऐप ग्रुप्स की पहचान भी की है : पुलिस आयुक्त

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में श्रमिकों के आंदोलन को हिंसक बनाने में 'मजदूर बिगुल दस्ता' नाम के एक संगठन का हाथ सामने आया है। नोएडा पुलिस ने केस दर्ज कर

• संगठन का मुखिया गिरफ्तार

संगठन के मुखिया रूपेश राय और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बुधवार की शाम को बताया कि नोएडा के श्रमिकों के आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को भड़काने और माहौल खराब करने में नोएडा पुलिस ने 'मजदूर बिगुल दस्ता' नामक संगठन के मुखिया रूपेश राय और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। संगठन से जुड़े कई अन्य लोगों को भी पकड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक 17 वॉट्सऐप ग्रुप्स की पहचान भी की है, जिनके जरिए आंदोलन को हिंसक बनाने के लिए भड़काया गया। इससे पहले मंगलवार को पुलिस कमिश्नर ने मीडिया को बताया था कि कुछ वॉट्सऐप ग्रुप और क्यूआर कोड के जरिए इसमें लोगों को जोड़कर उन्हें भड़काया गया। पुलिस इन ग्रुप्स को क्रिएट करने वालों और श्रमिकों को भड़काने वालों के खिलाफ एक्शन तेज कर दिया है। हिंसा में शामिल रहे लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

मंड्या में प्रधानमंत्री ने 'श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर' का किया लोकार्पण

• रागी मुद्दे को बताया सेहत का स्रोत

एजेंसी

मंड्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के मंड्या जिले में स्थित आदिचुनचनगिरी मठ का दौरा कर नवनिर्मित 'श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत की प्राचीन परंपराओं, आध्यात्मिक विरासत और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से एक जीवंत सभ्यता रहा है, जहां सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं की निरंतरता अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत कम देश ऐसे हैं, जहां इतनी लंबी अवधि तक परंपराएं जीवित रही हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह रखे। उन्होंने जल संरक्षण, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने, 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, मोटापे से बचने के लिए तेल की खपत कम करने और मिलेट्स (श्री अन्न) को आहार में शामिल करने की सलाह दी। योग और खेल को जीवन का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया गया। अपने अंतिम आग्रह में उन्होंने जरूरतमंदों की सेवा को समाज को मजबूत बनाने का माध्यम बताया। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक आहार पर जोर देते हुए कहा, 'रागी मुद्दे केवल भोजन नहीं, बल्कि शक्ति का स्रोत है।' उन्होंने युवाओं से नवधान्य और मिलेट्स को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने का आग्रह किया। साथ ही खाना पकाने में तेल की मात्रा 10 प्रतिशत तक कम करने की अपनी सलाह दोहराई।

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हुई

• घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं : सीएम

एजेंसी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को हुए इस भीषण हादसे में कुल 36 श्रमिक झुलस गए थे। इनमें से 17 श्रमिकों की मौत हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

कंधालां शेखां, राजपुर, धुग्गा कलां, प्रेमपुर, गिलजियां, जहूरा गांव में शानदार हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाए जा रहे: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

टांडा (होशियारपुर), 15 अप्रैल। पंजाब के कंढी क्षेत्र में दशकों की उपेक्षा को दूर करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज टांडा उड़मुड़ में 150 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने लगभग 70 वर्षों से सुविधाओं से वंचित गांवों के लिए आधुनिक सड़क बुनियादी ढांचे, उच्च स्तरीय पुल और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के व्यापक नेटवर्क की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल पिछली सरकारों के राजनीतिक भेदभाव को दूर करके निर्णायक बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार लंबे समय से उपेक्षित इस क्षेत्र को बेहतर बुनियादी ढांचा और सम्मान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अकाली दल को जनता का भरोसा तोड़ने और श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अनादर करने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आज की इस पहल को विकास में वृद्धि और प्रदेश की राजनीति के लिए नैतिक मूल्यांकन के रूप में चित्रित किया। कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह ने एक्स हैंडल पर लिखा- आज मैंने होशियारपुर जिले के टांडा में 150 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन संबंधी आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लिया। हमारी सरकार प्रदेश के बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सुविधाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा- क्षेत्र की लिंक सड़कों के नवीनीकरण के लिए 141.88 करोड़ रुपये की परियोजनाएं लोगों को समर्पित की गई हैं। इसके साथ ही गुरुद्वारा रामपुर खेड़ा साहिब जाने वाली संगत की सुविधा के लिए 2.39 करोड़ रुपये की लागत से एक उच्च स्तरीय पुल बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए 3.30 करोड़ रुपये की लागत से 6 गांवों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और 1.35 करोड़ रुपये की लागत से गढ़दीवाला में एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने अंत में लिखा, इसके अलावा गांव तलवंडी डड्डियां में 1.54 करोड़ रुपये की लागत वाली एक जल आपूर्ति परियोजना भी शुरू की गई है।

आम आदमी की सरकार रंगला पंजाब के सपने को साकार करने और हर नागरिक को मानक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास कार्यों का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, होशियारपुर के कंढी क्षेत्र में 70 साल बाद शानदार सड़कें बनाई जाएंगी। टांडा उड़मुड़ में लिंक सड़कों का नवीनीकरण और अपग्रेड किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा होशियारपुर-दसूहा रोड को गुरुद्वारा रामपुर खेड़ा से जोड़ने वाली लिंक सड़क पर उच्च-स्तरीय पुल बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, छह गांवों कंधाला शेखां, राजपुर, धुग्गा कलां, प्रेमपुर, गिलजियां और जहूरा में आधुनिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 70 वर्षों से टांडा उड़मुड़ इलाका राजनीतिक भेदभाव का शिकार रहा क्योंकि पिछली सरकारें यहां विकास कार्य करने में असफल रहीं। हमारी सरकार ने इलाके की प्रगति और लोगों की खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए कई शानदार पहल की हैं। इस नेक काम के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है क्योंकि पंजाब सरकार प्रदेश के हर कोने के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार द्वारा अब तक प्रदेश भर में 990 आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 576 क्लीनिक और शहरी क्षेत्रों में 414 क्लीनिक शामिल हैं। उन्होंने कहा, इन नए क्लीनिकों में 107 दवाइयां मुफ्त दी जा रही हैं और 47 प्रकार के डायग्नोस्टिक टेस्ट मुफ्त किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, प्रदेश के हर नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घरों के नजदीक उपलब्ध कराने के लिए जल्द ही और 400 क्लीनिक खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले 75 वर्षों में किसी भी सरकार ने आम लोगों को ऐसी सुविधाएं देने की जहमत नहीं उठाई, लेकिन आप सरकार द्वारा सभी लोगों के लिए ये क्लीनिक खोले गए हैं। शिक्षा क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा, यह सभी पंजाबियों के लिए अत्यंत गर्व और संतुष्टि की बात है कि इस सर्वेक्षण में प्रदेश ने केरल को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों के दौरान 740 विद्यार्थियों ने जेईई परीक्षा और 1284 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है।

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रौद्योगिकी करुणा और ईमानदारी की जगह कभी नहीं ले सकती : राष्ट्रपति

• डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों के मन में आशा भी जगाते हैं : द्रौपदी मुर्मु

नागपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दूसरे दीक्षांत समारोह में शिरकत की। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का माध्यम है। डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों के मन में आशा भी जगाते हैं। नतीजतन आधुनिक प्रौद्योगिकी चाहे जितनी तरक्की कर ले वह कभी करूणा, ईमानदारी और संवेदनशीलता की जगह नहीं ले सकती।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया परामर्श न केवल मरीजों को, बल्कि उनके परिवारजनों को भी मानसिक बल प्रदान करता है। कई बार डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी उन्हें हर स्थिति में मरीजों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील बने रहना चाहिए। साथ ही, मरीजों और उनके परिजनों को भी चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास का संबंध बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य जितना उनके व्यक्तिगत कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही राष्ट्र की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण में अपनी पूर्ण क्षमता से योगदान दे सकते हैं। इस दिशा में केंद्र सरकार की ओर से पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में नए एम्स

संस्थानों की स्थापना से न केवल बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी बढ़े हैं। एम्स नागपुर ने स्थापना के कुछ ही वर्षों में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान समय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और उन्नत अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई को पाटने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज में डॉक्टरों को उच्च स्थान प्राप्त है और लोग उन पर विश्वास करते हैं इसलिए मरीजों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना डॉक्टरों का सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है। इस कर्तव्य का निष्ठापूर्वक पालन करके वे न केवल अपनी, बल्कि पूरे चिकित्सा पेशे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने युवा डॉक्टरों को जीवनभर सीखते रहने और नवाचार तथा अनुसंधान को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती। उन्होंने डॉक्टरों से हमेशा मानवीय मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग भाग्यशाली हैं कि उन्हें मानवता की सेवा का एक अनूठा अवसर मिला है। उन्हें इस जिम्मेदारी को गर्व और संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पास होने वाले विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि देशवासियों को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

घुसपैठियों को अपना और भारतीयों को पराया मानती है टीएमसी: स्मृति ईरानी

• टीएमसी करती है चुनाव आयोग की गरिमा का अपमान

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला है। स्मृति ईरानी ने बातचीत करते हुए कहा, 'भारत के संविधान ने चुनाव के लिए एक स्पष्ट प्रक्रिया तय की है, लेकिन टीएमसी के गुंडे बार-बार इस व्यवस्था पर प्रहार कर रहे हैं। टीएमसी जिस तरह कटाक्ष कर रही है, वह आयोग की गरिमा का अपमान है। हर भारतीय नागरिक और मतदाता को इसका विरोध करना चाहिए और टीएमसी सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।' स्मृति ईरानी ने चुनाव आयोग की सराहना करते हुए कहा, 'भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने देशभर में विशेष तौर पर पश्चिम बंगाल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के माध्यम से मतदाता सूची साफ करने का काम को देखा है। चुनाव आयोग ने निर्भीक और पारदर्शी तरीके से यह कार्य किया है। उनका एकमात्र संकल्प है कि मतदाता सूची में कोई घुसपैठिया न रहे और किसी भी मतदाता का नाम दोहरा न हो। उन्होंने पूछा, 'क्या यह संकल्प हर भारतीय का संकल्प नहीं है? फिर ऐसा क्यों है कि टीएमसी भारतीय नागरिकों को पराया मानती है और घुसपैठियों को अपना? '

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत और 15 घायल

फतेहगढ़ साहिब(एजेंसी)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में बैसाखी मेला देखकर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालुओं का एक जत्था बैसाखी के पावन पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में मत्था टेकने और मेले में शामिल होने गया था। देर रात जब सभी लोग बस से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के मुताबिक, चलती बस में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू हुई बस सड़क किनारे लगे बिजली के एक खंभे से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भीतर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायलों को मोरिंडा और फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पतालों में भिजवाया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए बड़े केंद्रों में रेफर किए जाने की खबर है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क के बीच से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना के बाद से प्रभावित गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं। यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पंश्चित बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

कंधालां शेखां, राजपुर, धुग्गा कलां, प्रेमपुर, गिलजियां, जहूरा गांव में शानदार हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाए जा रहे: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रदेश भर में 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं और 60 पहले ही कार्यशील किए जा चुके हैं। ये स्कूल प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके सपनों को साकार करने में मदद कर रहे हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों की योग्यताओं और रुचियों के आधार पर शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकें। पहली बार 24 लाख अभिभावकों ने मेगा पीटीएम में भाग लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मेडिकल और नॉन-मेडिकल सहित सभी स्ट्रीम की पेशकश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा, आर्म्ड फोर्सेज प्रेपरेटरी, नीट, जेईई और सीएलएटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए कोचिंग भी प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा, शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक बुराइयों को समाप्त किया जा सकता है। इसलिए पंजाब सरकार ने शिक्षा को प्राथमिकता दी है और लोगों के जीवन को बदलने के लिए शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल की हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कोई भी मुफ्त सुविधा या रियायत प्रदेश में से गरीबी या अन्य सामाजिक बुराइयों को समाप्त नहीं कर सकती, लेकिन शिक्षा ही वह कुंजी है जो लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाकर उन्हें गरीबी से बाहर निकाल सकती है। उन्होंने आगे कहा, शिक्षा वह रोशनी है जो अंधेरे को दूर करके दुनिया को रोशन करती है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार द्वारा इस पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, प्रदेश में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है, जिसके तहत पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रदेश के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जा रहा है और 30 लाख से अधिक लाभार्थी पहले ही स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, इस योजना के तहत 1.65 लाख लोगों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। उन्होंने कहा, लोगों को इन कार्डों का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदेश के इतिहास में पहली बार धान के सीजन के दौरान ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, किसानों को अब पहली बार सिंचाई के लिए दिन के समय भी बिजली मिल रही है, जिससे उनका जीवन बदल गया है। उन्होंने आगे कहा, आप सरकार प्रदेश के लोगों की भलाई के लिए सरकारी खजाने के एक-एक पैसे का समझदारी से उपयोग कर रही है। मांवां धियां सत्कार योजना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने यह योजना 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए शुरू की है, जिसके तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, टैक्स का पैसा प्रदेश के लोगों का है और वे इसे समझदारी से लोगों की भलाई पर खर्च कर रहे हैं। करदाताओं का पैसा विकास, स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के माध्यम से लोगों के पास वापस आ रहा है। भले ही आप सरकार ने अपनी सभी गारंटियां पूरी कर ली हैं, लेकिन फिर भी पंजाब के विकास के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, इस मंच से शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, कृषि और अन्य क्षेत्रों पर बातचीत हो रही है, जबकि अन्य पार्टियों के मंचों पर महज सत्ता हथियाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, ये अवसरवादी नेता हैरान हैं क्योंकि लोग उन्हें कोई समर्थन नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, उनका एजेंडा प्रदेश के लोगों के बजाय अपने परिवारों की भलाई तक सीमित है। वे कहते हैं कि विद्यार्थियों को स्कूलों में पढ़ाया जाना चाहिए, जबकि अकाली और कांग्रेस लोगों को बांटना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने देश में अपनी तरह की पहली पहल में एक समर्पित सड़क सुरक्षा बल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य प्रदेश और राष्ट्रीय राजमार्गों पर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी कीमती जानों को बचाना है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अकाली दल श्री गुरु साहिब जी की बेअदबी के लिए दोषी है। उन्हें वोट देने का मतलब है उस बेअदबी का समर्थन करना। इन नेताओं के पाप माफ नहीं किए जा सकते और लोग उन्हें उनके बुरे कामों के लिए कभी माफ नहीं कर सकते। ये अवसरवादी नेता हैं जो अपनी सुविधा और निजी सियासी हितों के अनुसार गिरगिट की तरह अपने रंग और रुख बदलते रहते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जो लोग बेअदबी के लिए जिम्मेदार हैं, वे श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश हुए और पूरी जनता के सामने अपना अपराध कबूल किया। हालांकि यह उनकी राजनीतिक इच्छाओं के अनुसार नहीं था, इसलिए उन्होंने कुछ समय बाद यू-टर्न ले लिया और कहा कि कुछ लोग केंद्रीय एजेंसियों के हाथों की कठपुतली बनकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन अब पूरे प्रदेशवासी इन नेताओं का असली चेहरा जान गए हैं, जिन्होंने हमेशा अपनी राजनीतिक चालों के माध्यम से लोगों को गुमराह किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इन लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से अधिकारी बनाकर सशक्त बनाने के बजाय, अकालियों ने यह सुनिश्चित किया कि गरीबों के विद्यार्थी पढ़ाई न करें और केवल आटा दाल योजना तक ही सीमित रहें। कमजोर वर्गों की पीढ़ियां अपनी संकीर्ण सोच वाली आटा दाल योजना के माध्यम से बादलों के रहमो-करम पर थीं। इन नेताओं ने पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को शिक्षा से वंचित रखकर उन लोगों की पीठ में छुरा मारा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हर कोई जानता है कि एक परिवार अंग्रेजों का पिट्ठू रहा है और देश के लिए लड़ने वाले देशभक्तों के खिलाफ मिलीभगत करने वालों को अंग्रेजों ने सर की उपाधि दी थी। इस परिवार ने 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी जनरल डायर को उस रात के खाने का निमंत्रण देकर सम्मानित भी किया था। ऐसे कार्यों ने हमेशा उनकी देश-विरोधी और पंजाब-विरोधी मानसिकता और चरित्र को लोगों के सामने पूरी तरह से उजागर किया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, सिर्फ यही नहीं, इस परिवार ने यह भी सुनिश्चित किया कि जनरल डायर को श्री हरिमंदिर साहिब में सिरोपा और माफी भी दी जाए। इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता और बादल के पूर्वजों का संदिग्ध चरित्र इतिहास के पन्नों पर अंकित है। इस परिवार के हाथ देशभक्तों के खून से रंगे हुए हैं और देशभक्तों की पीठ में छुरा मारने में इन गद्दारों की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस में हर नेता प्रदेश का मुखिया बनने की इच्छा रखता है। उनके पास चुनावों में काम करने के लिए आम कार्यकर्ताओं की तुलना में मुख्यमंत्री के चेहरे कहीं अधिक हैं। कांग्रेस पार्टी दुविधा का शिकार है जो अपने ही आंतरिक झगड़े के कारण ढह जाएगी। यह बहुत दुख की बात है कि सत्ता के लिए झगड़े करने वाले इन नेताओं को एकजुट करने वाले उच्च कांग्रेसी नेता तो इनके नामों का सही उच्चारण भी नहीं जानते। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप सरकार लोगों के लिए तहे दिल से पूरी लगन से काम कर रही है और 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, बिना किसी भ्रष्टाचार के 65,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां, बेहतर सड़कें, टोल प्लाजा बंद करवाना, रोजाना 70 लाख रुपये की बचत और बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रही है। जिस समय आप सरकार ने सत्ता संभाली थी, उस समय सिंचाई के लिए केवल 22 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग किया जा रहा था। आज 71 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग किया जा रहा है और आने वाले धान के सीजन तक इसे 90 प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इन लोगों ने अपने निजी सियासी हितों के लिए पंजाब के हितों को नजरअंदाज किया था। उन्होंने आगे कहा, इन्हीं कारणों से प्रदेश के लोगों ने उन्हें कोई समर्थन नहीं दिया था। उन्होंने कहा, अकाली दल की तथाकथित पंजाब बचाओ यात्रा वास्तव में परिवार बचाओ यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, लगातार 15 सालों तक प्रदेश को लूटने के बाद, उन्हें यह बताना चाहिए कि वे पंजाब को किससे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन्हें अपनी पार्टी की कमेटी बनाने के लिए पांच सदस्य भी नहीं मिल रहे, वे प्रदेश में 117 सीटें जीतने के सपने देख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इन नेताओं ने प्रदेश में गैंगस्टरों को संरक्षण दिया था और नशा तस्करों को बचाकर युवाओं को नशे के रास्ते पर डाला। उन्होंने कहा, अकाली दल ऐसे सियासी नेताओं की पार्टी है जिन्हें लोगों ने बार-बार नकारा है। मुख्यमंत्री ने कहा, अकाली धर्म का भी दुरुपयोग कर सकते हैं, लेकिन लोग इससे प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा, वे लोगों को गुमराह करने के लिए हवाई किले बना रहे हैं, लेकिन पंजाबियों को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, लोग अकालियों को उनके पापों के लिए कभी माफ नहीं करेंगे और उन्हें फिर से सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा, उन्होंने हमेशा पंजाब और इसके लोगों की पीठ में छुरा मारा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, परंपरागत सियासी पार्टियां उनसे ईर्ष्या करती हैं क्योंकि वे यह हजम नहीं कर पा रही हैं कि एक आम आदमी का बेटा पंजाब पर प्रभावी ढंग से शासन कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, लोगों ने इन पार्टियों के लोग-विरोधी और पंजाब-विरोधी रुख के कारण अपना विश्वास पूरी तरह से खो दिया है। उन्होंने आगे कहा, पिछले शासक पंजाब और पंजाबियों की तुलना में अपने परिवारों की अधिक चिंता करते थे, जिसके कारण प्रदेशवासियों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। अपने संबोधन में आप पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा, लोगों का भारी उत्साह आप और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, वे पंजाब के सबसे लोकप्रिय और मेहनती मुख्यमंत्री हैं, जो लोगों के लिए दिल से काम कर रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, डॉ. रवजोत, वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया और अन्य उपस्थित थे।

प्रेमी की होने वाली दुल्हन, प्रेमिका को न थी पसंद; न माना लड़का तो लड़की पर एसिड अटैक

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में अपने प्रेमी की होने वाली दुल्हन पर एक युवती ने तेजाब से हमला कर दिया। हालांकि गोकलपुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तेजाब फेंकने वाली 26 वर्षीय युवती को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिवार वालों ने तुरंत पीड़िता को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। उत्तर-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मंगलवार दोपहर को सूचना मिलने के बाद गोकुलपुरी थाने की एक टीम इंदिरा विहार इलाके में स्थित घटनास्थल पर पहुंची, जहां पता चला कि पीड़िता को उसके परिवार के सदस्य पहले ही गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जा चुके हैं। जांच में पता चला है कि पीड़िता (21) की शादी एक व्यक्ति के साथ तय हुई थी और अप्रैल महीने में ही उनकी शादी होने वाली थी। हालांकि आरोपी महिला का इसी व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध होने का दावा किया है और वह इस शादी का विरोध कर रही है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ईर्ष्या और गुस्से के कारण आरोपी ने पीड़िता पर तेजाब से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला की पहचान कर उसे पकड़ लिया गया है। पीड़िता का जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत पर करीब से नजर रखी जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हमले की वजह बनी अन्य जानकारियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी को तेजाब कहां मिला। इसके साथ ही मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का मुआयना कर कई अहम सुराग और वैज्ञानिक सबूत इकट्ठा किए।

PUBLIC NOTICE: LOSS OF DOCUMENTS

I, Sunil Chaudhary, S/o Late Sh. Harvansh Singh, R/o 1/34A, Sadar Bazar, Delhi Cantt-110010, have lost original property documents for properties at Village Mehrauli, Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad. Sale Deed (09.03.2006): Katar Singh to Sunil Chaudhary (Khasra No. 319; Area: 0.04157 hc, and Khasra No. 318; Area: 0.04842 hc). Sale Deed (09.03.2006): Anar Singh to Sunil Chaudhary (Khasra No. 319; Area: 0.04157 hc). Transfer Deed (17.06.2008): Exchange of 0.08314 hc in Khasra No.319 with share of Ajay Kumar & Harish Chander in Khasra No. 318. FIR lodged vide LR No. 197167/2026. Finder please contact above address. Anyone dealing with these documents does so at their own risk.

Public Notice

I, SUSHMA D/O PAWAN KUMAR R/O HOUSE NO 989,JIWAN NAGAR GAUNCHHI , BALLABGARH, FARIDABAD, HARIYANA - 121004 hereby undertake that I, SUSHMA want to change my name to ANIKET KUMAR SHAH and gender as Male. I, SUSHMA henceforth be known as ANIKET KUMAR SHAH S/O PAWAN KUMAR. The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and the department of publication will not liable for any consequences arising therefore.

NAME CHANGE

I,AASIM KHAN S/O AHMED KHAN R/O B-77, 3RD FLOOR GALI NO 7 KANTI NAGAR EXTN KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO ASIM KHAN.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KELA DEVI is legal dependent mother of JC-780799M Rank-SUB Name-RAKESH KUMAR, resident of VILL-GIRAWAR, PO-JONDHI, TEH & DIST-JHAJJAR, HARYANA-124103, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 01 Jul 1960, instead of my correct date of birth as 22 May 1953, vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM KUMAR is legal dependent father of JC-780799M Rank-SUB Name-RAKESH KUMAR, resident of VILL-GIRAWAR, PO-JONDHI, TEH & DIST-JHAJJAR, HARYANA-124103, in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 01 Jul 1955, instead of my correct date of birth as 02 Oct 1953, vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, HEMENDRA KUMAR SINGH R/o D-402, Godrej Icon, Sector 88A, Gurgaon-122505, Haryana, have changed my minor daughter's name from ANANYA to ANANYA SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, BHUPENDRA KUMAR GAUTAM S/o Shivram Sharma R/o J&K-142, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to BHUPENDER KUMAR GAUTAM permanently.

NAME CHANGE

I, Anil Kumar Singh S/O Ram Pravesh Singh R/O 23A, SUJAN SINGH BLOCK, CONNAUGHT PLACE, VTC: New Delhi G.P.O., PO: New Delhi G.p New Delhi, Delhi, :110001, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Buddhism and renounced Hinduism w.e.f. 06.03.2026.

NAME CHANGE

I,KALPANA GAUTAM W/o BHUPENDER KUMAR GAUTAM R/o J&K-142, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to KALPANA permanently.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री प्रमोद त्यागी, खाता संख्या 60, खसरा संख्या 203M में दर्ज भूमि, जिसका क्षेत्रफल 4948.00 वर्ग मीटर है, के स्वामी हैं, जो ग्राम रामपुर (एन.एच.-9), जनपद हापुड़, उत्तर प्रदेश-245101 में स्थित है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री महेन्दर सिंह थे। दुर्भाग्यवश, श्री महेन्दर सिंह का निधन दिनांक 30.10.2023 को हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी, परिवार रजिस्टर में अंकित अनुसार, शेष रहे- श्रीमती धनैश देवी (पत्नी), श्री प्रमोद त्यागी (पुत्र), सुश्री प्रभा (पुत्री) एवं सुश्री गुड्डी (पुत्री)। तत्पश्चात, श्रीमती धनैश देवी (पत्नी) एवं श्री प्रमोद त्यागी (पुत्र) के नाम उक्त संपत्ति में प्रत्येक के हिस्से के रूप में 0.2474 हेक्टेयर भूमि, दिनांक 16.12.2025 की हिस्सा काशी के अनुसार दर्ज हुई। इसके उपरांत, श्रीमती धनैश देवी ने अपना 2474 वर्ग गज का हिस्सा दिनांक 16.02.2026 के गिफ्ट डीड (दस्तावेज संख्या 1405) के माध्यम से श्री प्रमोद त्यागी के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया। फलस्वरूप, श्री प्रमोद त्यागी उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक (encumbrance), ग्रहणाधिकार (lien), शुल्क (charges) या दावों से मुक्त है। कृपया अवगत हों कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Mrs. Vijay Kumari (hereinafter referred to as the said Mortgagors/Borrowers), is/are the owners of First Floor without roof rights measuring 62 sq. yds. of Property bearing No.7/225 (Qtr. No. 225 in Block-7), area measuring 100 Sq. yds., Situated in the layout of plan of Geeta Colony, Jheel Kuranja Delhi-110031. (hereinafter referred to as the said property) vide Gift Deed dated 30.12.2025, duly registration No.2025/4/I/13499 in Book No.1, Pages No.63-82, Vol No.12947, on dated 31.12.2025 SRO-VIII East Geeta Colony and claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which Bajaj Housing Finance Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Mahima Sharma D/o Anil Kumar R/o Village-Audapur, Kant, Shahjahanpur, Uttar Pradesh - 242001, hereby undertake that I, Mahima Sharma want to change my name to Aadarsh Sharma and gender as MALE

Public Notice

I Avinash Kumar S/O Govind kumar R/O RC-18, Gali no.1, Near Thapar Gate, Prashant Garden, Khora Colony, Ghaziabad, UP-201001 hereby undertake that I Avinash Kumar want to change my name Avni Pandey and gender as transgender I Avinash Kumar henceforth be known as Avni Pandey S/O Govind kumar The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same, and the Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom.

Public Notice

I, Kulwant Bedi W/o Late Rajinder Singh Bedi R/o N-115, Jalvayu Vihar, Sector-25, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine has been wrongly written as Kulwant Mehta in my All Educational Documents and as Kulwant in my Husband PPO. No. C/ENG/FP/06335/2002, and New PPO. No. 4032002028483099. The actual name of mine is Kulwant Bedi

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, GAURAV, S/o BABU SINGH, Resident at, H.No-14-C, GALI No-2, BHOLA NATH NAGAR, PO: SHAHDARA, DIST: North East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my father has been wrongly written as GAURAV KUMAR SHARMA and BABU SINGH SHARMA in my all educational documents. The actual name of mine and my father is GAURAV and BABU SINGH respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Surinder kumar S/O Narain Singh 1013 Gali number 26 Tanki Road Jaitpur Delhi 110044 Have changed my Name Surinder Kumar to Surender Kumar for all future purpose.

NAME CHANGE

I, RANGA LAKSHAMAMMA wife of Name-LINGAIAH MEENIGA Residing at H No. 10-26-79A, VILL-KONDA PETA, TEH & PO-GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PARDESH-523357, have changed my name from RANGA LAKSHAMAMMA to MEENIGA RANGA LAKSHMAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ARAMBAM BISESHWAR SINGHA S/O BIRENDRA KUMAR SINGHA R/O BLDG NO-K-7, SINGH NIWAS S/FLOOR, GALI NO 6/B MAHIPALPUR NEW DELHI-110037 HAVE CHANGED MY NAME TO A BISESHWAR SINGHA ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I MANISH KUMAR MAHENDRU S/O RAMAN KUMAR MAHENDRU R/O REDWOOD-17, FIRST FLOOR SECTOR-47 GURGAON HARYANA-122018, HAVE CHANGED MY NAME TO MANISH KUMAR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, SUGANI DEVI Mother of Army No-6506754Y Rank-SEP/ASH Name-SUNIL KUMAR VISHNOI residing at VILL-JAMBA KI DHANI, KRISHAN NAGAR KLLA, DIST-PHALODI, RAJASTHAN-342301, have changed my name from SUGANI DEVI to SUGANI for all future purposes vide Affidavit dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KIRAN PAL S/O GANDA RAM residing at H NO-156, B-9, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085. have Changed my name to KIRAN PAL SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I shelly W/o Govinda R/o 23-D kamla nagar ,Delhi - 110007 have changed my name to shelly singhal for All future purposes.

NAME CHANGE

I, LAKITA wife of NO- 17006604N Rank- NK Name- DHANASUKHA PATIDAR residing at WARD NO-05, VPO-BARKHEDA LOYA, TEHSIL-GAROTH, DIST-MANDSAUR, MADHYA PRADESH-458880, have changed my name from LAKITA to LAKITA GOTHI for all future purposes vide Affidavit dated 15/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, KRISHNA CHAKI W/o P K CHAKI, R/o FLAT NO-C-011, TOWER-10, TYPE-4, KIDWAI NAGAR, DELHI-110023, declare that name of mine has been wrongly written as SMT KRISHNA PRAVIR CHAKI in my Service Record. The actual name of mine is KRISHNA CHAKI, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I PADATE MANISHA VILAS Legally mother of Army no - 2819021Y, Rank - NK, Name - PADATE MAYUR VILAS, Presently residing At - Yamekon , Post- Kine, Teh - Ajara, Dist - Kolhapur, State- Maharashtra, Pin - 416504 have changed my name from PADATE MANISHA VILAS to MANISHA VILAS PADATE for all future purposes. Vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I MANGINENI PRIYANKA legally wife of Army No-15227872H, Rank - Hav, Name - Mangineni Baji Babu, Presently Residing At- 1-51-A, Village- BADEVARI PALEM, Post-Nagaram, Teh- Cherukupalli Dist-Guntur, Pin-522268 State - Andhra Pradesh, have changed my name from MANGINENI PRIYANKA to BADE PRIYANKA for all future purposes. Vide affidavit dated 15/04/26 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SANGITA legally mother of Army no - 2817383F, Rank - NK, Name - KOKATE AKSHAY SANJAY, Presently Residing At Ruikhed, Post - Ruikhed, Teh - Akot, Dist - Akola, State - Maharashtra, Pin - 444101 have changed my name from SANGITA to SANGITA SANJAY KOKATE for all future purposes. Vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SANJAY WASUDEV KOKATE legally father of Army no - 2817383F, Rank - NK, Name - KOKATE AKSHAY SANJAY, Presently Residing At - Ruikhed, Post - Ruikhed, Teh - Akot, Dist - Akola, State - Maharashtra, Pin - 444101 have changed my name from SANJAY WASUDEV KOKATE to SANJAY VASUDEV KOKATE for all future purposes in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1970 instead of my correct date of birth as 10/07/1970 Vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED REHAN S/O ABDUL NAIM R/O H NO-4678/21 FIRST FLOOR ANSARI ROAD DAYRA GANJ DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD REHAN

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD REHAN S/O ABDUL NAIM R/O H NO-4678/21 FIRST FLOOR ANSARI ROAD DAYRA GANJ DELHI 110002 HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR DAUGHTERS RAFIA AND SHE SHALL HERE ALFTER BE KNOW AS RAFIYA

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SABIR S/O JABIR AHMED R/O 97 A DDA FLATS DELHI SHASTRI PARK 110053 HAVE CHANGED MY NAME To MOHD SABIR

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ISMAIL S/O MOHD SABIR JABIR R/O 97 A DDA FLATS DELHI SHASTRI PARK 110053 HAVE CHANGED MY NAME To MOHD ISMAIL

NAME CHANGE

I, RAJVINDER W/o Ramandeep Singh R/o 50-A, F/F Back Side, Block – New T, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to RAJVINDER KAUR permanently.

NAME CHANGE

I, SWATI SUNIL MISHRA W/o Sunil Kumar Mishra R/o Flat No.263, SFS Colony, Ashok Vihar Phase-4, Delhi-110052, have changed my name from SWATI SUNIL MISHRA to SWATI S MISHRA permanently.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR S/o Dina Nath Mishra R/o Flat No.263, SFS Colony, Ashok Vihar Phase-4, Delhi-110052, have changed my name from SUNIL KUMAR to SUNIL KUMAR MISHRA permanently.

NAME CHANGE

I, VEERABATHRAN SETHURAMAN S/O SETHU RAMAN R/O D-3, THIRD FLOOR JAI HIND APARTMENT 266-P II C , WARD NO-2 GAUSHALA ROAD MEHRAULI, DELHI-110030 DECLARE THAT GIVEN NAME VEERABATHRAN SURNAME SETHURAMAN .

NAME CHANGE

I, Mohammad Shahid S/o Mohammad Yasin R/o Village and post Banethu Distt. Sant Kabir Nagar, Uttar Pradesh-272152 have changed my name to Mohd Shahid.

NAME CHANGE

I hitherto known as S. SHARMA W/o DULICHAND SHARMA R/o H. No. B - 711 , New Ashok Nagar , Dist : East Delhi , Delhi - 110096 have changed my name and shall hereafter be known as SHAKUNTALA DEVI.

NAME CHANGE

I PADATE VILAS DATTU legally father of Army no - 2819021 Y, Rank - NK, Name - PADATE MAYUR VILAS, Presently residing, At - Yamekon, Post- Kine Teh - Ajara, Dist - Kolhapur, State- Maharashtra, Pin - 416504, have changed my name from PADATE VILAS DATTU to VILAS DATTU PADATE for all future purposes. Vide affidavit dated 15/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I ABHISHEK SAMANTA S/o AMAL KUMAR SAMANTA R/o Flat No. F5, Plot No. 135, Kashish Palace, Rose Park, Shalimar Garden Extension-I, Sahibabad, Ghaziabad, Shalimar Garden, Uttar Pradesh - 201005 declare that the name of my Mother has been wrongly written as SONALI SAMANTA in my 10th & 12th Class Educational Documents . The actual name of my Mother is SAMAPTI SAMANTA, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MUKESH S/o SHRICHAND, R/o Saidpur Husainpur, PO: Modi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201204 have changed the name of my minor son CHITRANSH SAIN aged 3 years and he shall hereafter be known as GAURANSH SAIN.

NAME CHANGE

I ABDUL KARIM S/O MAUJI KHAN R/O VILLAGE KHANDAWLI BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to ABDUL KAREEM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RATAN KR MISHRA S/O SHREEKANT MISHRA R/O , GC-5 FLAT NO -20 PUL PEHLADPUR NEAR MCD TOLL TAX BADARPUR KALKAJI DELHI-110044 have changed my name to RATAN MISHRA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I PRINCE KUMAR DWIVEDI S/O RAJ SHANKAR DWIVEDI R/O ,H. NO 45 A SHIV MANDIR GALI NO - 4 MAUJPUR DELHI-110053 have changed my name to PRINCE DWIVEDI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KUSH NOOR JAHA W/O ALI HASAN R/O S-221/183 VISHNU GARDEN DELHI-110018 have changed my name to KHUSHNOOR JAHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SANJEEV KUMAR SATIA S/O RAM LAL SATIA R/O 1/6079 STREET NO 02 EAST ROHTAS NAGAR SHAHDARA DELHI-110032 have changed my name to SANJEEV SETIA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I HIMANSHU PASI S/O HIRA LAL PASI R/O , B- 1250 , 2ND FLOOR, GREEN FIELD COLONY, NEAR NHPC CHOWK NHPC COLONY FARIDABAD HARYANA 121010 have changed my name to HIMANSHU PASSI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I BLESSEY JOBY W/O JOBY CHERIAN R/O G-264/1-B PH-6 AYA NAGAR DELHI- 110047 have changed my name to BLESSEY VARGHESE Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NAIMUL HASAN S/O ABDUL KHALIQ R/O PLOT 30A KH NO 1318 HARSUKH BLOCK PREM NAGAR -1 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI -110086 have changed my name to MOHD NAJMUL HASAN Permanently for all Future purpose

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj,
New Delhi – 110 055
Phone: 011-40192447 011-45595302

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that Mr. Bhupinder Kumar Sharma S/o Sh. Ram Avtar Singh R/o
(1) Nanak Darbar, Chander Vihar, Nilothi, New Delhi
(2) H. No.631, Mohan Nagar, Nazeem Pura, Bhurh Bhulandshahar, Uttar Pradesh-274001
(3) Najib Pura Bhod H-66, Mohan Nagar, Near Ram Mandir, Bulandshahar U.P.
[Designation Peon] EMP Code: EMP00039 has been continuously absent from duty without sanctioned leave and has remained unauthorized absent for the last Five Years and Eleven Months. Despite repeated official communications issued at his last known address, no response has been received.
The above conduct constitutes serious misconduct and gross negligence of duty under applicable service rules.
Mr. Bhupinder Kumar Sharma is hereby granted a final opportunity to report for duty and submit an explanation with all supporting documents within 30 (thirty) days from the date of publication of this notice. Failure to comply will be deemed as voluntary abandonment of service.
In such event, disciplinary proceedings shall be initiated in accordance with the established rules and his services shall be liable to be terminated/removed from service, without any further notice, as per law.

Sd/-
Chief Executive Officer
Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.,
New Delhi.

Place: New Delhi
Date: 15-04-2026

NAME CHANGE

I, BABLOO S/o MUKHTIAR SINGH R/o D-254 FIRST FLOOR, J J COLONY, MADIPUR, DELHI-110063 have changed my name to BABLU.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR S/o Dinesh Chand Kushwa R/o RZF-766/31C, Gali No.6, Raj Nagar Part-2, Palam Colony, Delhi-110077, have changed my name to SUNIL SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, LEENA PANWAR W/o HEMENDRA KUMAR SINGH R/o D-402, Godrej Icon, Sector 88A, Gurgaon-122505, Haryana, have changed my name to LEENA SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, CHANDRAVATI Mother of NO-442754K Rank- NB SUB Name-YADAVARAO REDDY MUDIYA residing at HOUSE-DEVI NILAYAM, STREET- NEELADRIPETA, VILL-LODDAPUTTI, PO-LODDAPUTTI, TEHSIL-ICHAPURAM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532312, have changed my name from CHANDRAVATI to MUDIYA CHANDRAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, CHANDRAYYA Father of NO-442754K Rank- NB SUB Name-YADAVARAO REDDY MUDIYA residing at HOUSE-DEVI NILAYAM, STREET-NEELADRIPETA, VILL-LODDAPUTTI, PO-LODDAPUTTI, TEHSIL-ICHAPURAM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532312, have changed my name from CHANDRAYYA to CHANDRAYYA REDDY MUDIYA for all future purposes vide Affidavit Dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, APPA RAO Father of NO- 2617460F Rank- L/NK Name- VEMPADA HARI BABU residing at VPO-CHIPPADA, TEHSIL-BHEEMUNIPATNAM, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531162, have changed my name from APPA RAO to VEMPADA APPARAO for all future purposes vide Affidavit Dated 15/04/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT BEARING NO. 49, ADMEASURING 35 SQ. YARDS BEARING PID NO. 1B2K3OV0, OUT OF MUSTATIL NO. 34//5/2, 7, 14/1, SITUATED AT SANJAY COLONY SECTOR-23, IN WAKA MAUZA GAUNCHI, SUB-TEHSIL GAUNCHI, DISTRICT FARIDABAD, HARYANA" I.E. "ORIGINAL SALE DEED DT. 27.12.1990 EXECUTED BY MR. MAHENDER KUMAR IN FAVOUR OF MR. HUKAM SINGH IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY AS DOC. NO. 6966." HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. MAMTA YADAV W/O MR. ANIL YADAV, R/O, 8989, F BLOCK, SANJAY COLONY, SECTOR-23, FARIDABAD, HARYANA AND SAID OWNER MRS. MAMTA YADAV PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 31.01.2025 EXECUTED BY MR. HUKAM SINGH IN FAVOUR OF MRS. MAMTA YADAV IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY AS DOC. NO. 2355 IN SRO GAUNCHI NOW MRS. MAMTA YADAV WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM WONDER HOME FINANCE. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिलान श्री महेश कुमार पुत्र श्री हुकम चन्द एवं श्रीमति मधु पत्नी श्री महेश कुमार निवासीगण म0नं0-517, नियर टेलीफोन एक्सचेंज, आजाद नगर, खेकड़ा, बागपत, उ0प्र0-250101 ने अपनी पुत्री रितिका खेरीवाल से उसके दुर्व्यवहार व नियंत्रण से बाहर होने के कारण उससे अपने सभी पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उसको अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य, लेन देन या करार के लिए मेरे मुव्वकिलान व उसका परिवार जिम्मेदार नही होगा।

विपिन कुमार शर्मा एडवोकेट
चैम्बर नं0-813-814 पटियाला हाऊस कोर्ट,
नई दिल्ली-110001

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन मेहतो, पत्नी श्री बैजू मेहतो, उक्त संपत्ति के भूतल (ग्राउंड फ्लोर), क्षेत्रफल 35 वर्ग गज, जो कि संपूर्ण फ्रीहोल्ड निर्मित संपत्ति, नगर निगम संख्या 3061/224 (संपत्ति संख्या 3061, गली संख्या 224) का हिस्सा है, जिसे 50 वर्ग गज (41.80 वर्ग मीटर) भूमि पर निर्मित किया गया है, जो पुराने प्लॉट संख्या 14 एवं 15 का भाग है, स्थित क्षेत्र ग्राम चौकरी मुबारकाबाद, आबादी जिसे चंदर नगर, त्रि नगर, दिल्ली-110035 के नाम से जाना जाता है, को श्रीमती सविता से क्रय करने का इरादा रखती हैं। संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री माम राज थे, जिन्होंने दिनांक 30.11.1965 को श्री देवी सहाय मल्होत्रा के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया। तत्पश्चात, श्री देवी सहाय मल्होत्रा ने दिनांक 14.10.1991 को श्रीमती शशि बाला के पक्ष में वसीयत निष्पादित की। तथापि, श्री देवी सहाय मल्होत्रा का निधन दिनांक 14.10.1988 को हो चुका था। तत्पश्चात, श्रीमती शशि बाला का निधन दिनांक 10.08.2021 को हो गया, जिनके पश्चात निम्नलिखित विधिक वारिस शेष रहे- श्रीमती सीमा मेहता (पुत्री), श्रीमती वीना रानी (पुत्री), श्रीमती किरण (पुत्री), श्री सुशील मल्होत्रा (पुत्र), श्री सतपाल मल्होत्रा (पति), श्रीमती अंजु बाला (पुत्री). इसके उपरांत, श्रीमती सीमा मेहता, श्रीमती वीना रानी, श्रीमती किरण, श्री सुशील मल्होत्रा एवं श्री सतपाल मल्होत्रा ने दिनांक 11.08.2022 को निष्पादित परित्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपने-अपने हिस्से श्रीमती अंजु बाला के पक्ष में त्याग दिए। तत्पश्चात, श्रीमती अंजु बाला ने उक्त संपत्ति को दिनांक 06.03.2023 के विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से श्रीमती प्रीति गुप्ता को विक्रय किया तथा श्रीमती प्रीति गुप्ता ने दिनांक 10.05.2024 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति को श्रीमती सविता को विक्रय कर दिया। फलस्वरूप, श्रीमती सविता उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी बन गईं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या दावों से मुक्त है। साथ ही, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अंगदान को लेकर बदली हरियाणा के लोगों की सोच, 7940 लोगों ने लिया संकल्प

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा में अंगदान को लेकर लोगों की सोच में तेजी से बदलाव आ रहा है। प्रदेश में कुल 7940 लोगों ने अंगदान का संकल्प लिया है। जबकि हमारे पड़ोसी पंजाब का आंकड़ा हमसे काफी अच्छा है। पंजाब में पंजीकरण 11274 तक पहुंच चुका है। अभी दोनों राज्यों के बीच में पंजीकरण का अंतर 3334 का है। इसलिए इस अभियान को तेजी से गति देने की जरूरत है। हालांकि जिलों के बीच आंकड़ों में बड़ा अंतर भी सामने आया है, जो जागरूकता के असमान स्तर को दर्शाता है। प्रदेश में जींद जिला 1076 पंजीकरण के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद गुरुग्राम के 973 पंजीकरण और फरीदाबाद के 791 पंजीकरण का नंबर आता है। सबसे निचले पायदान पर नूंह के 48, चरखी दादरी के 21 और पलवल के 21 पंजीकरण हैं, जहां जागरूकता अभियान की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निचले पायदान पर खड़े जिलों में जागरूकता बढ़ाई जाए तो हरियाणा इस क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है। फिलहाल आंकड़े यह जरूर संकेत दे रहे हैं कि प्रदेश में अंगदान को लेकर डर से संकल्प की ओर यात्रा शुरू हो चुकी है, लेकिन इसे जनआंदोलन बनाने के लिए अभी और प्रयास जरूरी हैं।

हरियाणा के करनाल में पटाखा गोदाम में धमाका, छत और मकान की दीवारें ढहीं; दस साल की बच्ची घायल

करनाल। मेरठ रोड स्थित सूरज नगर में सील किए गए पटाखे के गोदाम में दोपहर को अचानक धमाका हो गया। यह धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम की छत टूट गई और गली में खेल रही दस साल की लड़की को चोट लग गई। इतना ही नहीं साथ लगते मकान की दीवार में भी दरारें आ गई। धमाके की आवाज सुनकर कालोनी में हड़कंप मच गया और आनन फानन में लोग घरों से बाहर निकल कर मौके पर पहुंचे। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग व पुलिस को दी। दमकल विभाग की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इसके बाद सेक्टर 32 थाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की।कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि जनवरी के महीने में पुलिस आई थी और इस गोदाम को सील करके गई थी। यहां पर पटाखे रखे हुए थे। इस मामले में राजकुमार के खिलाफ मामला भी दर्ज किया था। जिसे गिरफ्तार किया गया था और बाद में उसे जमानत मिल गई थी। इस लिए कई महीनों से यह गोदाम बंद था। ज्यादा गर्मी के कारण अपने आप ही गोदाम में धमाका हुआ है।

भीषण आग से सैंकड़ों झुग्गियां नष्ट

गुरुग्राम। गर्मियां अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुई है और आग की घटनाएं काफी बढ़ रही हैं। बीती रात करीब एक बजे यहां सेक्टर-37डी स्थित झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इससे सेंकड़ों झुग्गियां स्वाहा हो गई। गनीमत यह रही कि लोग आग लगने के साथ ही झुग्गियों से बाहर निकल आए, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। दमकल विभाग को रात 12:50 बजे सेक्टर-37डी की झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली। सूचना के साथ ही कर्मचारी गाड़ियां लेकर मौके पर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की। कर्मचारियों की हड़ताल चल रही है, लेकिन इमरजेंसी सेवाएं वे दे रहे हैं। दमकल विभाग के साथ पुलिस व सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची। भीषण आग के कारण झुग्गियों में रखे सिलेंडरों में भी काफी विस्फोट हुए। एक के बाद एक कई दमकल विभाग की गाड़ियां आग बुझाने के लिए पहुंची। आग के दौरान झुग्गियों में रहने वाले लोगों में भगदड़ मच गई। बच्चे, बड़े अपनी जान बचाने के लिए झुग्गियों से बाहर भागे। दूसरी तरफ दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करते रहे। कई घंटे तक आग बुझाने के लिए कर्मचारी जूझते रहे। तब जाकर आग पर काबू पाया गया।

पश्चिमी यमुना नहर से महिला का शव बरामद, शिनाख्त नहीं

यमुनानगर। यमुनानगर के हमीदा हेड के समीप पश्चिमी यमुना नहर से एक महिला का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार दोपहर को एक राहगीर ने नहर में शव तैरता हुआ देखा और तत्काल सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर राजीव और उनकी टीम की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में मृतका की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच आंकी गई है। पुलिस को शव पर ऐसा कोई पहचान चिन्ह नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। हालांकि महिला के दोनों हाथों में सोने की अंगूठियां और कानों में बालियां पाई गई हैं। गोताखोर टीम के अनुसार, प्रथम दृष्टया शव करीब तीन से चार घंटे पहले पानी में डूबा प्रतीत होता है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। साथ ही आसपास के थानों के माध्यम से महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। चौकी प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। यह घटना हादसा है, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई है, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई कर रही है।

हरियाणा में गर्मी का सितम

फरीदाबाद में पारा 39.4°C के पार; 17-18 अप्रैल को आंधी-बारिश का अलर्ट, किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

एजेंसी

हिसार/चंडीगढ़। हरियाणा में सूर्य देव के तेवर कड़े होने के साथ ही गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के सात प्रमुख शहरों में पारा 38 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, जिससे दिन के साथ-साथ अब रातें भी गर्म होने लगी हैं। मौसम विभाग ने आगामी 17 और 18 अप्रैल को मौसम में बदलाव और हल्की बारिश की संभावना जताई है। फरीदाबाद रहा सबसे गर्म, सात शहरों में झुलसाने वाली गर्मी हरियाणा के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया। फरीदाबाद 39.4एष्ट के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा भिवानी और गुरुग्राम में 39.0एष्ट, हिसार में 38.8एष्ट और सिरसा में 38.9एष्ट तापमान दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में औसतन 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बदलने वाला है मौसम का मिजाज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (HAU), हिसार के

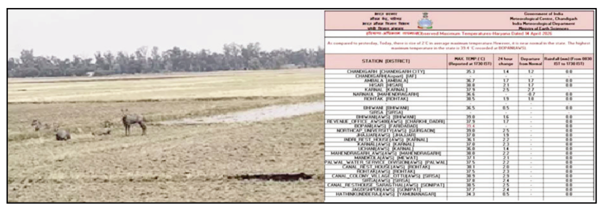

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 16 अप्रैल तक मौसम शुष्क और गर्म रहेगा। हालांकि, 17 और 18 अप्रैल को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) सक्रिय होने और राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने से मौसम बदलेगा। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, गरज-चमक और छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है। इसका असर मुख्य रूप से पश्चिमी और दक्षिणी हरियाणा में देखने को मिलेगा।

किसानों के लिए HAU की विशेष सलाह

गेहूं की कटाई के पीक सीजन को देखते हुए कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है:

कटाई और भंडारण: किसान गेहूं की कटाई अविलम्बतः सुबह और शाम के समय करें। आने वाली आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर ढक कर रखें।

सिंचाई: सब्जियों और फलों के बागों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई जारी रखें।

पशुधन: पशुपालक अपने पशुओं को दोपहर की सीधी धूप से बचाएं और उनके लिए पीने के साफ पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखें।

रातों के तापमान में भी उछाल- दिन के साथ अब न्यूनतम तापमान में भी 0.9 डिग्री की वृद्धि हुई है। नारनौल और भिवानी में न्यूनतम तापमान 21.5°C दर्ज किया गया, जिससे रात के समय भी उमस और गर्मी का अहसास होने लगा है।

हरियाणा निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने किया चुनाव समिति का गठन

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा में होने वाले शहरी निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने राज्य स्तरीय चुनाव समिति का गठन किया है।हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, विधान सभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा, कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया कटारिया समेत 37 कांग्रेस नेताओं को राज्य स्तरीय चुनाव समिति में शामिल किया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, उनके बेटे पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह और पूर्व सिंचाई मंत्री कैप्टन अजय यादव को इस चुनाव समिति में जगह नहीं मिली है। राज्य स्तरीय चुनाव समिति के गठन के बाद 16 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में इस समिति की पहली बैठक होगी, जिसमें प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनाव लडने तक की पूरी प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के राज्य स्तरीय चुनाव समिति के गठन और 16 अप्रैल को होने वाली बैठक की जानकारी दी है। चुनाव समिति में हरियाणा कांग्रेस के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, सह प्रभारी प्रफुल्ल गुडधे, कांग्रेस की अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक, अंबाला के सांसद वरुण मुलाना, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, पंचकूला के विधायक एवं पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बिश्नोई, अंबाला शहर के विधायक एवं पूर्व मंत्री निर्मल सिंह, मुलाना की विधायक पूजा चौधरी, बरौदा के विधायक इंदुराज नरवाल और पंचकूला के जिला अध्यक्ष संजय चौहान को शामिल किया गया है।हिसार के सांसद जयप्रकाश जेपी को इस चुनाव कमेटी में जगह नहीं मिल पाई है।

गांव चलो-बस्ती चलो अभियान व्यापक जनसंपर्क व जनसेवा का महत्वपूर्ण अभियान : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के 'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान के तहत आदमपुर हलके के गांव डोभी में भाजपा युवा नेता के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत करके जनसमस्याओं को दूर करने का प्रयास किया।

इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों बारे विस्तृत चर्चा की तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। भव्य बिश्नोई ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाया जा रहा गांव चलो-बस्ती चलो अभियान प्रदेशभर में व्यापक जनसंपर्क और जनसेवा का एक महत्वपूर्ण अभियान है। इस अभियान का उद्देश्य गांव-गांव और बस्ती-बस्ती तक पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता इस अभियान में पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं।

प्रत्येक मंडल, बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर पर युवाओं की टीम बनाकर घर-घर संपर्क किया जा रहा है। कार्यकर्ता जनता को सरकार की उपलब्धियों से अवगत करा रहे हैं और उनके सुझाव भी प्राप्त कर रहे हैं। इससे पूर्व उन्होंने संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर आयोजित कई कार्यकर्मों में शिरकत करके महान आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। गांव चिकनवास में 9 लाख 90 हजार की राशि से बने आंबेडकर चौक का भव्य बिश्नोई ने उद्घाटन किया।

हरियाणा में परिसीमन हो रहा है, लोकसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ रही हैं : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी कई चुनाव हर चुके है। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बब्बर शेर होते तो ढेर न होते। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिसीमन हो रहा है और लोकसभा व विधानसभा की सीटें बढ़ रही हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि विभाग में किसी भी स्तर पर होने वाले तबादले विभागीय मंत्री के संज्ञान में होने चाहिए। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डर नहीं लगता, बल्कि मोदी जी को कांग्रेस से डर लगता है क्योंकि बब्बर शेर उन्हें पकड़ लेगा और कार्रवाई होगी, जिस पर तंज कसते हुए हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज

ने कहा कि यही कारण है कि राहुल गांधी जी हर प्रदेश में ढेर हो रहे है, राहुल गांधी कई चुनाव हर चुके है। मंत्री विज कहा कि अगर राहुल गांधी बब्बर शेर होते तो ढेर न होते।

नगर निगम चुनावों की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा चुनाव के लिए तैयार है और तीनों जगह भाजपा विजय पताका फहराएगी। मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियां केवल चुनावों के समय ही सक्रिय होती हैं, जबकि भाजपा का कार्यकर्ता 365 दिन जनता के बीच रहता है। मंत्री विज ने दावा किया कि जिस तरह प्रदेश की जनता ने विधानसभा और पिछले स्थानीय निकाय चुनावों में पीएम मोदी की नीतियों और राज्य सरकार के विकास कार्यों पर मुहर लगाई थी, उसी तरह आगामी नगर निगम चुनावों में भी कमल खिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अंबाला समेत प्रदेश के सभी नगर निगमों में विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा और जनता विपक्ष के झूठे वादों में आने वाली नहीं है।

विज ने परिसीमन के मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताया है। उन्होंने कहा कि परिसीमन हो रहा है और लोकसभा व विधानसभा की सीटें बढ़ रही हैं। सभी दोबारा बनेगी और हरियाणा में लगभग 120 विधानसभा होने की उम्मीद है इसलिए कांट-छांट की भी संभावना है। उन्होंने अपने विभागों में तबादलों पर चल रही चर्चाओं पर कहा कि इसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि नियम के मुताबिक, विभाग में किसी भी स्तर पर होने वाले तबादले विभागीय मंत्री के संज्ञान में होने चाहिए और उनके कार्यालय के माध्यम से ही आगे बढ़ने चाहिए। उन्हें कुछ शिकायतें मिली थीं जहाँ सीधे तबादले किए गए थे।

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में बनी नगर निकाय चुनाव की रणनीति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनावी रणनीति तैयार कर ली है। पंचकूला मुख्यालय में आयोजित कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव के संबंध में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, राष्ट्रीय महासचिव ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ. सुधा यादव, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, डॉ. कमल गुप्ता, कैप्टन अभिमन्यु, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा सहित कोर ग्रुप समिति के अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।करीब दो घंटे तक चली कोर ग्रुप की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य सरकार के कार्यों पर जानकारी दी, वहीं प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने बैठक में संगठनात्मक विषयों को रखा। प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने

संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया ताकि पार्टी और सरकार की नीतियां और अधिक प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंच सकें। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी आगामी चुनावी रणनीतियों और कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की।बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिला मोर्चा इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इसके समर्थन में पंचायतों, नगर पालिकाओं, नगर निगमों से रेजुलेशन तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के लिए प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली कमेटी गठित करेंगे जिससे आगे की रणनीति पर गति से काम होगा।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव के लिए पार्टी ने मंत्री और पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई हुई है। इसके अलावा जहां-जहां उप चुनाव हैं वहां पर तीन सदस्यीय कमेटी का पहले ही गठन हो चुका है।बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव के लिए पांच सदस्यीय कमेटी जहां-जहां चुनाव होने हैं वहां पर 15 और 16 अप्रैल को रायशुमारी कर रिपोर्ट तैयार करेगी। चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से फार्म भी लिए जाएंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता चुनाव क्षेत्र में वहां के विधायकों, मंत्रियों से भी अलग से चर्चा करेंगे। 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक चुनाव वाले क्षेत्र के हर वार्ड में कार्यकर्ताओं की बैठकें होंगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 20 अप्रैल को चुनाव समिति की बैठक होगी, जिसमें उम्मीदवारों के नाम तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है और जनता भी कांग्रेस पर विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है।

गुरुग्राम में वैल्डिंग की दुकान में आग, पांच लोगों का रेस्क्यू

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां शीतला कालोनी में देर शाम एक वैल्डिंग की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगते ही आसपास के मकानों में रह रहे लोगों में दहशत फैल गई और सभी घरों से बाहर निकल आए। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची व आग बुझानी शुरू की। आग की इस घटना में पांच लोगों का रेस्क्यू किया गया। जानकारी के अनुसार देर शाम शीतला कालोनी स्थित मलिक फेब्रिकेशन दुकान पर आग लग गई। देखते ही देखते इस आग काफी भडक़ गई। धुएं से पूरा क्षेत्र भर गया। घरों में लोग भी मौजूद थे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग से गाडियां लेकर कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाना शुरू किया। इस दौरान कर्मचारियों ने घर से पांच लोगों को निकाला। धुएं के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। रेस्क्यू किए गए एक व्यक्ति को ग्लोबल अस्पताल में ले जाया गया।

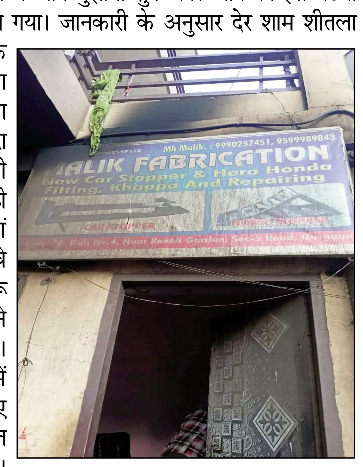

उसकी हालत अभी खतरे से बाहर है। आग बुझाने के लिए दुकान तक पहुंच पाना दमकल विभाग की टीम के लिए भी काफी परेशानी भरा रहा। कालोनी के रास्तों में गाड़ी ले जाने में परेशानी हुई। गली के अंतिम छोर पर घटना होने के कारण दमकल कर्मचारियों के लिए आसान नहीं था।

नए स्वास्थ्य संस्थानों को खोलने तथा अपग्रेड करने की दी मंजूरी : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने और अन्य कुछ स्वास्थ्य संस्थानों को अपग्रेड करने की मंजूरी दी गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जींद जिला के गांव धतरथ में नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति दी है, इसके भवन निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, जिला नूंह के गांव साकरस में उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड करने की मुख्यमंत्री द्वारा सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है।

उन्होंने आगे जानकारी दी कि कुरुक्षेत्र जिला के लाडवा क़स्बा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरीय सामान्य अस्पताल में अपग्रेड करने की भी मंजूरी दी गई है। इनके अलावा , जींद जिला के ही

गांव बिधराना में नया उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने बारे सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है। गांव की पंचायत द्वारा सरकार को यह प्रस्ताव भी भेजा गया है कि जब तक इस उपस्वास्थ्य केंद्र का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक ग्राम उक्त उपस्वास्थ्य केंद्र को शुरू करने के लिए पंचायत अपने स्तर पर भवन उपलब्ध करवाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि उक्त स्वास्थ्य संस्थानों के शुरू होने से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि बड़े अस्पतालों पर भी दबाव कम होगा। इससे लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने, नई सुविधाएं जोड़ने और हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

समुद्र में दुनिया जीतकर लौटी काम्या भारद्वाज का गुरुग्राम में हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी

गुरुग्राम। समुद्र में ओपन वाटर स्विमिंग में विश्व रिकॉर्ड बनाकर गृह नगर गुरुग्राम पहुंची काम्या भारद्वाज का दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर गुरुग्राम तक भव्य स्वागत किया गया। बेटी काम्या द्वारा जीती गई ट्रॉफी को हाथ में उठाकर खुशी जाहिर करते पिता सुनील भारद्वाज भावुक नजर आए। अशोक विहार फेस-2 में समस्त अशोक विहार निवासियों की ओर से काम्या के सम्मान में समारोह आयोजित करके उनका सम्मान किया गया।

परिवार के साथ-साथ पूरे गुरुग्राम, पैतृक गांव बालूदा में काम्या की कामयाबी की खुशी रही। काम्या के दादा मदन लाल शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, महेश शर्मा पौती की इस सफलता पर खूब झूमे और उसे इसी तरह रिकॉर्ड बनाते रहने का आशीर्वाद दिया। समुद्र की लहरों के विपरीत तैरकर काम्या की कामयाबी के क्षेत्र में चर्चे रहे। काम्या भारद्वाज ने पानी में धनुषकोडी से तलाईमन्नार और वापस धनुषकोडी तक की पानी में कठिन यात्रा 18 घंटे 15 मिनट में यात्रा पूरी की। इस तरह से काम्या ने सुजिता देव वर्मन का 19 घंटे 20 मिनट का रिकॉर्ड तोड़कर नया विश्व रिकॉर्ड बना डाला। काम्या का सम्मान करने के लिए रामचंद्र शर्मा, छज्जू राम शर्मा, एमएल शर्मा, प्रेम राज शर्मा, संदीप शर्मा, अजीत भारद्वाज, वरुण, ऋतु, मनोज कौसिक, सतवीर श्योराण, जय भगवान जांघू, मदन लाल वशीथ, विनोद भारद्वाज, धीरेंद्र ठाकुर, राम सजन सिंह (आरएसएस), संजय चौहान, भोपेंद्र, रजनीश भारद्वाज, शशि साहू, मोहित साहू, भगवान, भगत, दिनेश चंद्र, सुरेंद्र यादव, रामदास राठौर, वीरेंद्र सिंह, चौधरी कृष्ण यादव, त्रिलोक चंद, हेमंत भारद्वाज, मनोज यादव, राजवीर शर्मा, धर्मवीर सिंह, पूनम यादव, गीता मलिक, ज्योति चंद्र, कुसुम भारद्वाज, प्रतिभा शर्मा, माझीशा भारद्वाज, प्रीति शर्मा के अलावा संगीत वस्त्रालय, श्रीश्याम हार्डवेयर, सीता राम ज्वैलर्स, शगुन स्टील, गोयल एंटरप्राइजेज, गौरी प्रॉपर्टी की भूमिका रही। दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह कालेज में बीएससी जूलॉजी की छात्रा है। बचपन से ही वह तैराकी कर रही है। हाल ही में उनसे तैराकी के पाक स्ट्रेट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

हरियाणा में कांस्टेबल भर्ती के लिए 20 अप्रैल से होगा फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने पुलिस विभाग में 5500 कांस्टेबलों की भर्ती के लिए फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) की घोषणा कर दी है। यह प्रक्रिया 20 अप्रैल से पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में शुरू हो रही है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि 17 अप्रैल को वेबसाइट पर एडमिट कार्ड जारी कर दिए जाएंगे। 20 अप्रैल की सुबह पीएमटी की शुरूआत होगी। आयोग के अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस भर्ती के लिए करीब 2.70 लाख युवाओं ने आवेदन किया है। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए आयोग ने चरणबद्ध शेड्यूल तैयार किया है।पहले हफ्ते तक हर रोज लगभग एक हजार उम्मीदवारों को बुलाया जाएगा और उसके बाद प्रतिदिन 3 हजार तक उम्मीदवार बुलाए जाएंगे। सुबह 6:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। भर्ती प्रक्रिया में 25 हाईटेक मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन मशीनों में लगे सेंसर यह

सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी उम्मीदवार एड़ी उठाकर या गलत तरीके से अपनी हाइट बढ़ाकर फायदा न ले सके।

अगर कोई उम्मीदवार माप के दौरान हल्की सी भी चालाकी करता है, तो स्क्रीन पर तुरंत 'जीरो' दिखेगा और उसे वहीं बाहर कर दिया जाएगा। इस बार भर्ती प्रक्रिया में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक भी लागू की गई है। इससे हर उम्मीदवार की गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत पकड़ा जा सकेगा। पुरुष उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम लंबाई 170 सेमी और छाती 83 सेमी (4 सेमी फुलाव के साथ) निर्धारित की गई है। महिलाओं के लिए 158 सेमी लंबाई जरूरी है। पीएमटी के बाद फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) होगा, जिसमें पुरुषों को 12 मिनट में 2.5 किमी दौड़ और महिलाओं को 6 मिनट में 1 किमी दौड़ पूरी करनी होगी। किसी भी तरह की फर्जी जानकारी, गलत दस्तावेज या नियमों के उल्लंघन पर उम्मीदवार को तुरंत बाहर कर दिया जाएगा।

गुडग़ांव में 100 करोड़ खर्च का दावा फिर भी प्रदूषित शहरों में गिनती: राज बब्बर

एजेंसी

गुरुग्राम । पूर्व सांसद राज बब्बर में गुडग़ांव में सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपये खर्च करने के दावों पर कहा कि 100 करोड़ खर्च के बाद भी गुडग़ांव की गिनती प्रदूषित शहर में हो रही है। यहां हर मॉनसून में जलभराव होता है। सडक़ें टूटी रहती हैं। नालों की सफाई नहीं होती। जलभराव नहीं होने देने के दावे किए जाते हैं। इन सबके बीच शहर की हालत पहले से भी बदतर नजर आती है। यह बात उन्होंने यहां कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कही। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर सहित कई नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज बब्बर ने कहा कि सरकार ने गुडग़ांव में 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, इसकी उन्हें खुशी है। यह रकम कहां पर खर्च हुई, सरकार की यह भी जवाबदेही होनी चाहिए। क्योंकि ना तो गुडग़ांव की जनता को यह पता चल रहा कि 100 करोड़ कहां खर्च हुए और ना कोई इतनी बड़ी सुविधा मिली है जिससे समझा जा सके कि इतनी बड़ी रकम खर्च हो गई। उन्होंने कहा कि गुडग़ांव हिंदुस्तान का सबसे प्रदूषित शहर हो गया है। दुनियाभर में यह शहर प्रदूषण की दिशा में आगे ही है। लगातार यहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है। यहां 100 करोड़ के फ्लैट लेकर लोग रह रहे हैं। क्या वे इतनी बड़ी रकम खर्च करके प्रदूषण खरीद रहे हैं। ऐसे ही हालत रहे तो हमारी आने वाली पीढिय़ों का क्या होगा। कैसे वे सेहतमंद रह पाएंगें। राज बब्बर ने कहा कि आने वाली पीढिय़ों को कैसा भविष्य और वातावरण दे रहे हैं, इस पर सरकार को सोचना चाहिए। दावों और वादों से कुछ नहीं होता, धरातल पर काम करके दिखाना होगा।

उन्होंने कहा कि वे सरकार का विरोध नहीं कर रहे, मगर जनता की तकलीफ को उठाना उनकी जिम्मेदारी है। इसके समाधान की मांग सरकार से करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। उन्होंने बरसात को लेकर मुंबई का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पर चार महीने तक बरसात होती है, मगर वहां पर शहर बंद नहीं होता। गुडग़ांव में तो हालात उलटे हैं। यहां पर हल्की बरसात में ही जाम लग जाता है।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

निवेशकों ने कमाया 9 लाख करोड़

मुंबई।

शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। यही शेयर बाजार निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स्-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूस्ष्ठ्ठ का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढ़कर छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स्×क्क 500 1.2 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

भारत के फार्मा मार्केट में किंग बनी डॉ. रेड्डीज..दूसरे पायदान पर सन फार्मा

भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की

मुंबई,।

भारत का दवा बाजार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह ग्रोथ 9.9 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में बाजार ने 11.6 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी। कुल मिलाकर बाजार का आकार करीब 211 अरब रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेक्टर की मजबूत स्थिति को दिखाता है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उन दवाओं का हैं, जो लंबी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। क्रॉनिक थैरेपी की दवाएं मार्च में करीब 14 प्रतिशत बढ़ीं। इसके मुकाबले एक्यूट बीमारियों की दवाएं सिर्फ 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ीं। खासकर एंटी-इंफेक्टिव और सांस से जुड़ी दवाओं की कमजोर मांग ने दवा सेंगमेंट को पीछे खींच लिया। बाजार का बड़ा हिस्सा अभी भी एक्यूट दवाओं का है, लेकिन उनकी धीमी चाल अब साफ नजर आने लगी है।दिलचस्प बात यह है कि बाजार की कमाई बढ़ने के बावजूद दवाओं की असली मांग में गिरावट देखी गई। कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं और लगातार नई दवाएं लांच कीं, जिससे कुल रेवेन्यू में इजाफा हुआ। लेकिन वॉल्यूम के लिहाज से बिक्री 0.2 प्रतिशत घट गई। यानी लोग दवाएं कम खरीद रहे हैं, पर महंगी दवाओं और नए प्रोडक्ट्स की वजह से कंपनियों की कमाई बढ़ रही है। मार्च 2026 में बाजार में एक बड़ा मोड़ आया जब सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाएं लांच हुईं। ये वहीं दवा है जो डायबिटीज और वजन घटाने के इलाज में इस्तेमाल होती है। हैरानी की बात यह हैं कि लांच के सिर्फ 11 दिनों के भीतर ही इन सस्ती दवाओं ने नोवो नॉर्डिस्क जैसी बड़ी कंपनी की ब्रांडेड दवाओं को पीछे छोड़ दिया। जीएलपी-1 सेगमेंट की कुल बिक्री करीब 2.1 अरब रुपये तक पहुंच गई और पूरे बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी।थैरपी के हिसाब से कैंसर की दवाओं ने सबसे तेज रफ्तार दिखाई और करीब 28 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। दिल से जुड़ी दवाएं 15 प्रतिशत और डायबिटीज की दवाएं 14 प्रतिशत बढ़ीं। दूसरी तरफ, सांस और इंफेक्शन से जुड़ी दवाएं कमजोर रहीं और इनकी ग्रोथ काफी सीमित रही। यह साफ संकेत है कि भारत में अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।टॉप 20 फार्मा कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। डॉ. रेड्डीज ने सबसे तेज दौड़ लगाई और करीब 18 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। सन फार्मा भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में रही। ल्यूपिन, अजंता, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड और टोरेंट जैसी कंपनियां भी बाजार से तेज बढ़ती दिखीं। हालांकि एलेम्बिक का प्रदर्शन कमजोर रहा और उसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

महंगाई फिलहाल काबू में, 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है

–रिपोट मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, अब दबाव बनना शुरू

नई दिल्ली,।

ईरान युद्ध के चलते देश में महंगाई फिलहाल काबू में नजर आ रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो अभी आरामदायक स्तर पर है, लेकिन धीरे-धीरे दबाव बनना शुरू हो गया है। मार्च में गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, खासकर एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ। इसके बावजूद इसका असर आम लोगों तक नहीं पहुंचा, जिससे महंगाई ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन यह राहत कितने समय तक रहेगी, यह बड़ा सवाल है।रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन महंगाई तेजी से बढ़कर 1.7 फीसदी हो गई, जो फरवरी में करीब ना के बराबर थी। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा। वहीं, खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़कर 3.7 फीसदी तक पहुंच गई, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ सकता है। खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की कीमतों में थोड़ी राहत जरूर दिखी और कोर महंगाई घटकर 3.3 फीसदी हो गई। सोने और चांदी की कीमतों में नरमी इसका कारण रही, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, इस पर सबकी नजर है।एक निजी बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है यानी अभी जो स्थिति शांत दिख रही है, वह आगे चलकर गर्म हो सकती है। खासकर अगर तेल की कीमतें बढ़ती रहीं, तो असर और तेज हो सकता है। रिपोर्ट में एक और बड़ा खतरा सामने आया है। मौसम विभाग ने इस बार मानसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ, तो फसल पर असर पड़ेगा और खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल रिजर्व बैंक के रुख में बदलाव की उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर ही बनी रह सकती है यानी अभी केंद्रीय बैंक स्थिति को देखना चाहता है, बिना जल्दबाजी में कोई फैसला लिए। महंगाई के आंकड़ों का बॉन्ड बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 6.94 फीसदी के आसपास बनी रही, जो यह दिखाता है कि बाजार ने फिलहाल इन आंकड़ों को स्थिर माना है।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पल-पल बदल रहा तेल बाजार....कभी 100 के पार, अब 90 डालर के करीब

नई दिल्ली,।

दुनिया के तेल बाजार में फिर बड़ा उतार-चढ़ाव दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले जो कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच गया था, अब फिसलकर 90 डॉलर के करीब पहुंच गया है। बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार का मूड अचानक बदल गया है और माहौल में अनिश्चितता साफ महसूस हो रही है।तेल की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह इस बात की उम्मीद हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। खबरें हैं कि अगले दो दिनों में दोनों देश आमने-सामने आ सकते हैं। बस इसी संभावना ने बाजार की दिशा बदल दी। जहां पहले डर हावी था, अब वहां थोड़ी राहत की उम्मीद दिख रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, अब भी तनाव बरकरार है। यहां किसी भी तरह की रुकावट पूरी दुनिया की सप्लाई को हिला सकती है। इसकारण बाजार हर छोटी खबर पर तेजी से प्रतिक्रिया दे रहा है।इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी आईईए ने एक और चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी का कहना है कि इस साल वैश्विक तेल की मांग घट सकती है। अगर ऐसा हुआ, तब यह 2020 के बाद पहली बार होगा। ऊंची कीमतों ने खपत को दबा दिया है और अब इसका असर साफ दिख रहा है। उधर अमेरिका से आई खबर ने भी बाजार को झटका दिया। कच्चे तेल का भंडार 6.1 मिलियन बैरल बढ़ गया है। यह लगातार आठवां हफ्ता है जब स्टॉक बढ़ा है। यानी बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि सप्लाई जरूरत से ज्यादा है। यही कारण है कि कीमतों पर दबाव बना हुआ है।वहीं कुछ दिन पहले बिल्कुल अलग तस्वीर सामने थी। सोमवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार निकल गई थीं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रही और तनाव अचानक बढ़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख दिखाकर होरमुज क्षेत्र में कार्रवाई की बात कही। बस फिर क्या था, बाजार में डर की लहर दौड़ गई और कीमतें तेजी से उछल गईं। हाल के महीनों में तेल की कीमतों ने कई बार चौंकाया है। मार्च में ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि यह अभी भी 2008 के 147 डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है, लेकिन बाजार की तेजी और गिरावट दोनों ही यह दिखा रही हैं कि हालात कितने अस्थिर हैं।

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक नहीं पड़ेगी फीकी, गिरावट से बढ़ी खरीदारी

ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली,।

अक्षय तृतीया पर भी बाजार में सोने की चमक फीकी पड़ती नहीं दिख रही। त्योहार से पहले ही सोने के गहनों और सिक्कों की मांग बढ़ रही है। ज्वेलरी कारोबारियों के मुताबिक ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान सोने की कीमतों में तेज हैं, लेकिन हाल में आई थोड़ी गिरावट ने ग्राहकों की खरीदारी को फिर से बढ़ावा दिया है।बाजार के जानकारों का कहना है कि इस अक्षय तृतीया पर बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बढ़त देखने को मिल सकती है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के बीच दो तरह का ट्रेंड साफ दिख रहा है। एक तरफ बड़ी संख्या में लोग हल्के और किफायती गहनों की खरीद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाई स्पेंडिंग वाले ग्राहक महंगे और प्रीमियम ज्वेलरी जैसे सोलिटेयर सेट में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा इस बार त्योहार रविवार को पड़ रहा है, जिससे वीकेंड का फायदा भी बाजार को मिल सकता है और बिक्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स के एमडी के मुताबिक इस बार अक्षय तृतीया रविवार और सोमवार को पड़ रही है, जिससे खरीदारी का समय भी ज्यादा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले से ही बड़ी संख्या में प्री-बुकिंग हो चुकी है और शोरूम में रोजाना ग्राहकों की पूछताछ बढ़ रही है। खासतौर पर ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कंपनी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी भी की है, जिसका फायदा सोने के सिक्कों की बिक्री में दिख रहा है। शगुन के लिए गोल्ड कॉइन हमेशा पसंद किए जाते हैं और अब स्विगी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग आखिरी समय में भी आसानी से खरीदारी कर पा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर मॉल्स और रिटेल बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स के ऑपरेशंस हेड ने बताया कि अक्षय तृतीया पर हर साल ज्वेलरी की डिमांड बढ़ती है और इस बार भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सोने की कीमतें ऊंची होने के बावजूद लोगों की खरीदारी की इच्छा कमजोर नहीं पड़ी है। ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मॉल्स में खास ज्वेलरी जोन भी तैयार किए गए हैं। अब यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। शादी के सीजन के लिए भी ग्राहकों की दिलचस्पी अभी से दिखने लगी है। खास बात यह है कि पुरुषों की ज्वेलरी की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर कंपनी को पिछले साल की तुलना में इस समय 15 से 20 फीसदी तक की ग्रोथ दिख रही है। डिमांड को और बढ़ाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दे रही हैं। फेस्टिव ऑफर के तहत मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट और डायमंड की कीमत पर अतिरिक्त 15 फीसदी की फ्लैट छूट दी है। वहीं कल्याण ज्वेलर्स भी मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट दे रही है।इसी तरह इंडिरिया के सीईओ ने बताया कि 'बड़ा शगुन, बड़े ऑफर्स' अभियान के तहत ग्राहकों को मेकिंग चार्ज और डायमंड वैल्यू पर 35 फीसदी तक का फायदा मिल रहा है।

साथ ही डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम में ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर बुकिंग के समय और खरीद के समय के बीच कम कीमत वाले गोल्ड रेट का फायदा उठा सकते हैं।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली,।

भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है। जंग के शुरु होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। मोदी सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें।खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चलता है। मार्च में आए आंकड़े अद्यतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तीसरे आंकड़े हैं। अगर एनएसओ द्वारा जारी पिछली श्रृंखला के आंकड़ों से तुलना की जाए तो महंगाई दर 13 महीने के उच्च स्तर पर है। इलके पहले मार्च 2025 में महंगाई दर इससे अधिक 3.56 प्रतिशत पर थी।

देश में गर्मी बढ़ी पर बिजली की मांग नहीं? खपत में सुस्ती, कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में

-मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है

नई दिल्ली,।

देश में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली की मांग उसी रफ्तार से नहीं बढ़ रही। एक ताजा रिपोर्ट ने पावर सेक्टर की एक चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है, जहां खपत में सुस्ती है और कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बिजली की मांग में केवल 1.9 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि मार्च 2026 में यह बढ़त सिर्फ 0.7 फीसदी रही। पूरे साल में मांग करीब स्थिर रही और इसमें सिर्फ 0.8 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक चले मानसून और गर्मी की धीमी शुरुआत ने मांग को प्रभावित किया। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियों में कमजोरी भी एक बड़ा कारण रही। हालांकि अधिकतम बिजली मांग बढ़कर करीब 245 गीगावॉट तक पहुंच गई, लेकिन बिजली संयंत्रों का उपयोग कम रहा। मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है। एनटीपीसी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। एनटीपीसी का पीएलएफ घटकर करीब 76.7 फीसदी रह गया, जबकि टाटा पावर का करीब 63 फीसदी रहा। इसके चलते कंपनियों के मुनाफे में सीमित बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईईएक्स पर बिजली का कारोबार मार्च 2026 में 23.5 फीसदी बढ़ा। सौर ऊर्जा के समय कीमतें घटकर करीब 3.3 रुपए प्रति यूनिट रहीं, जबकि अन्य समय में यह बढ़कर करीब 5.3 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच गईं। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा में तेजी जारी है और करीब 368 गीगावॉट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट में इस सेक्टर में निवेश के लिए सीईएससी और एनटीपीसी को अपने टॉप पिक्स बताया है। कंपनी का मानना है कि इन कंपनियों का प्रदर्शन बाकी के मुकाबले बेहतर रह सकता है।

मिल गया 565 करोड़ रुपये का आर्डर.. तूफान की तरह दौड़ पड़ा सरकारी कंपनी का शेयर

मुंबई,।

रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह शेयर में जुलाई 2024 के बाद की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि रेल विकास निगम (आरवीएनएल) से 565 करोड़ रुपये के दो लेटर ऑफ अवॉर्ड मिले हैं। यह ऑर्डर रेलवे सुरंगों में व्यापक और एकीकृत संचार सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (एसआईटीसी) से जुड़ा है। इसके अलावा, कंपनी को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोमोशन बोर्ड से 44 करोड़ रुपये का एक और वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भर्ती परीक्षाओं के लिए सुरक्षा से जुड़ी सहायक सेवाओं से संबंधित है। इस बीच, रेलटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति से आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की खरीद और रखरखाव के लिए 17.12 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियम, 2015 के तहत दी गई जानकारी के अनुसार, अपरिहार्य प्रशासनिक कारणों के चलते ग्राहक ने इस वर्क ऑर्डर को रद्द कर दिया है।ये खबर आते ही रेलटेल के शेयरों में बुधवार को भारी वॉल्यूम के साथ कारोबार हुआ। ट्रेडिंग के पहले 60 मिनट में ही 1.5 करोड़ से ज्यादा शेयरों में सौदे हुए, जो 20 दिन के औसत 4.2 लाख शेयरों से काफी ज्यादा है। दोपहर 12ः22 बजे रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर बीएसई पर 13.94 फीसदी चढ़कर 324.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुके है। हालांकि 2026 में अब तक इसमें करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। तीन महीने में शेयर में 8 फीसदी और छह महीने में 13.13 फीसदी की गिरावट आई है। एक साल में स्टॉक ने 5.53 फीसदी का रिटर्न दिया है।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति का महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

संपादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दशार्ते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे।

उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया।

पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया.

जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया. मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.

अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं.

नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.

इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.

मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है.

आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जिस तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा रही है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है। राजस्थान में भी न्यूनतम वेतन अपेक्षाकृत कम है लेकिन वहां भिवाड़ी के अलावा किसी स्थान पर कोई घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है। गठित समिति की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त को सौंपी गई है खास बात यह है कि समिति में श्रमिक संगठनों के पांच प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के तीन प्रतिनिधियों को शामिल कर सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।सरकार की प्राथमिकता मजदूरों के असंतोष को दबाने कम करने और विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए उकसाने मे नाकाम करने की है इसके लिए सरकार मजदूरों के हित मे हर कदम उठाने को तैयार है।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

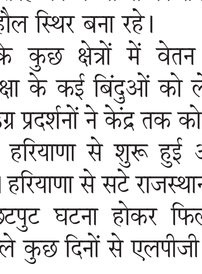

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्त्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्त्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस

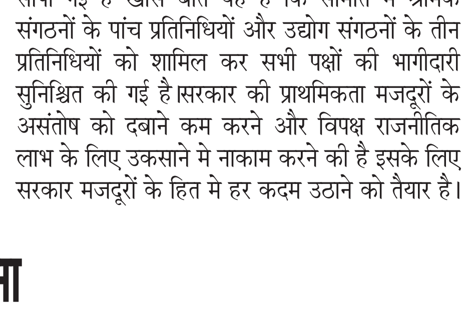

गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा ने अमेरिका को ललकारा, दे डाली धमकी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा में सैन्य हमले की हाल ही में दी धमकी पर क्यूबाई राष्ट्रपति ने जबरदस्त ऐतराज जताते हुए अमेरिका को ललकारा है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने देश में आए ईंधन संकट के बाद पहली बार हुंकार भरी। कहा, अमेरिका के पास सैन्य हमला करने या उन्हें सत्ता से हटाने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, क्यूबा पर किसी भी तरह का आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में डियाज-कैनेल ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी अप्रिय कदम उठाया तो क्यूबा के लोग अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा समय आने पर मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी 'सर्जिकल ऑपरेशन' अथवा राष्ट्रपति के अपहरण का कोई औचित्य होगा। डियाज-कैनेल ने कहा, यदि ऐसा हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा और हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम मरेंगे भी।

प्रशांत महासागर में नशा तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमले, 5 मरे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना के मुताबिक, उसने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमला कर उन्हें तबाह कर पांच लोगों को मार गिराया। इनमें से एक व्यक्ति बच गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहा है और साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी की तैयारी कर रहा है। शनिवार को हुए हमलों के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा सितंबर की शुरुआत में 'नार्को आतंकवादी' कहे जाने वाले लोगों को निशाना बनाना शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा नावों पर किये गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 168 हो गई है।

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में हजारा शिया समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शिया मुस्लिम हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में हुई इस घटना को लेकर सोमवार को क्षेत्र के शिया समुदाय ने तीखा विरोध दर्ज कराया और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सशक्त नीति बनाने की मांग की। क्वेटा में अज्ञात बंदूकधारी लोग दो मोटरसाइकल पर व्यापार के लिए सब्जियां खरीदने हजारगंज बाजार पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खैर सुमलानी के मुताबिक, ये बाइक सवार हजारा टाउन से आए थे। गोलीबारी में हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने इसे सुनियोजित हत्या बताया। उधर, बलूचिस्तान के हजारा समुदाय के नेता अब्दुल खालिक हजारा ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सरकार ने क्षेत्रीय हालात सुधारने के लिए कदम उठाने की मांग की है। समुदाय के लोगों ने सोमवार को हजारगंज बाजार की पुलिस चौकी भी घेरी और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। फिलहाल घटना की किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी रही।

अमेरिका : नेवादा में आया भूकंप, 5.7 रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि नेवादा के सिल्वर स्प्रिंग्स के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का झटका 9 किलोमीटर (5.59 मील) की गहराई पर आया था। एक अलग घटना में, अमेरिका के कैलिफोर्निया क्षेत्र में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता पहले 5.1 बताई गई थी, लेकिन बाद में यूएसजीएस द्वारा इसे संशोधित करके 4.9 कर दिया गया। सैन जोस और कैलिफोर्निया के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप कैलिफोर्निया के बोल्डर क्रीक से एक किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में आया। अमेरिकी सरकारी विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप लगभग 8 :41 :25 यूटीसी (कैलिफोर्निया में लगभग 1 :41 बजे) पर 10.9 किलोमीटर की गहराई पर आया।

इस्लामाबाद असफल तो अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक, दावा- तैयारी में जुटे अमेरिका-ईरान

जिनेवा , एजेंसी। अमेरिका और ईरान जल्द ही दूसरे दौर की कूटनीतिक वार्ता शुरू कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच पिछले छह हफ्तों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दो अमेरिकी अधिकारियों और घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य व्यक्ति के अनुसार, दोनों देश अगले सप्ताह मौजूदा युद्धविराम के समाप्त होने से पहले एक समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे आमने-सामने बैठकर नई बातचीत करने पर विचार कर रहे हैं।

एसोसिएटेड प्रेस के सूत्रों के अनुसार, वार्ता के नए दौर को लेकर अभी चर्चा चल ही रही है। वहीं मध्यस्थता करने वाले देशों में से एक के राजनयिक ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन बातचीत के लिए पूरी तरह सहमत हो गए हैं। इन सभी चारों सूत्रों ने कूटनीतिक संवेदनशीलता के कारण नाम न छापने की शर्त पर एपी को यह जानकारी दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार की वार्ता में भी पिछली बार के स्तर के ही उच्च अधिकारी या प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे या नहीं।

कहां और कब हो सकती है वार्ता : राजनयिक और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वार्ता की मेजबानी के लिए एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नाम पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा अमेरिकी अधिकारियों ने जिनेवा (स्विट्जरलैंड) को भी एक संभावित विकल्प बताया है। हालांकि, अभी तक स्थान और समय को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि यह वार्ता गुरुवार को हो सकती है।

ट्रंप का बयान और वाइट हाउस की प्रतिक्रिया : सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में इस ओर इशारा करते हुए कहा था कि 'दूसरे पक्ष ने हमसे संपर्क किया है। वे एक समझौता करना चाहते हैं।' दूसरी ओर, इस पूरे मामले और संभावित नई वार्ता पर टिप्पणी के लिए जब वाइट हाउस से संपर्क किया गया, तो उनकी तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया या जवाब नहीं मिला।

अमेरिका-ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता जल्द संभव: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले दौर की बातचीत जल्द ही होने की उम्मीद है। शनिवार को दोनों देशों के बीच 21 घंटे तक चली बातचीत 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, वीकेंड पर पाकिस्तान में हुई इस लंबी बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष युद्ध को खत्म करने के लिए किसी स्थायी शांति समझौते तक पहुंचने में विफल रहे।

सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे प्रयास : सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वार्ता के बाद एक तरह के 'संतोष की भावना' है, क्योंकि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम सामने नहीं आया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इस क्षेत्र के भविष्य को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि अंतिम फैसले अल्लाह के हाथ में हैं।

अमेरिका का रुख: वार्ता क्यों विफल रही : इस्लामाबाद में हुई इस वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया था। वेंस ने कहा कि ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्त करने की वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, जबकि अमेरिका ने अपनी तरफ से अंतिम और सबसे बेहतरीन पेशकश सामने रखी थी। वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के साथ बातचीत इसलिए विफल रही क्योंकि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

युद्ध का बैकग्राउंड और पाकिस्तान की भूमिका : दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने में पाकिस्तान ने कूटनीतिक पहल का नेतृत्व किया है। यह इस सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उस अपील के बाद संभव हो सका, जिसके चलते युद्ध में अस्थायी विराम लगा था। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप पड़ गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगर उन्हें लगेगा कि ईरान उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है।

वियतनाम ने डेंगू बुखार के बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

हनोई , एजेंसी। वियतनाम में डेंगू संक्रमण का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अब तक देश में 30 अधिक से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि चार मौतें हो चुकी हैं। इसी बीच, वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि डेंगू संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। स्थानीय दैनिक अखबार 'न्हान डैन' ने मंगलवार को बताया कि इस साल की शुरुआत से अब तक देश में 31,927 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें चार मौतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश मामले दक्षिणी इलाकों में केंद्रित हैं। वहीं, समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम रोग निवारण प्रशासन के उप निदेशक वो हाई सोन ने कहा कि अगर रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो निकट भविष्य में संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग संक्रमण के प्रकोप की मॉनिटरिंग और उसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, साथ ही रोग की रोकथाम के बारे में जन जागरूकता अभियान भी तेज कर रहा है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब गर्मी और उमस भरा मौसम जल्दी शुरू हो गया है व बारिश अनियमित हो रही है, जिससे मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल स्थितियां बन गई हैं। पिछले साल वियतनाम में डेंगू बुखार के 181,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 36 लोगों की मौत हुई थी। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलता है। जिन लोगों को डेंगू होता है, उनमें से अधिकांश में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं, उनमें सबसे आम लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, जी मिचलाना और शरीर पर चकत्ते पड़ना है। अधिकांश लोग 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। गंभीर मामलों में, डेंगू जानलेवा भी हो सकता है।

ईरान का विश्वास हासिल करना ही अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से निकलने का रास्ता: बाकेर कालिबाफ

तेहरान , एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह अपना निर्णय ले और ईरानी राष्ट्र का विश्वास हासिल करे। उन्होंने यह टिप्पणी पाकिस्तान की अपनी यात्रा से ईरान लौटते समय पत्रकारों को संबोधित करते हुए की, जहां उन्होंने अपने साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया था। क़ालिबाफ ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी जनता का ऋणी है और उसे इसकी भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर वे लड़ेंगे, तो हम भी लड़ेंगे और अगर वे तर्क के साथ आगे आते हैं, तो हम तर्क से जवाब देंगे। हम किसी भी धमकी के सामने झुकेंगे नहीं। वे हमारी इच्छाशक्ति को एक बार फिर परख सकते हैं और हम उन्हें और बड़ा सबक सिखाएंगे। ' क़ालिबाफ ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता को 'बहुत गहन, गंभीर और चुनौतीपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि सक्षम विशेषज्ञों के सहयोग और व्यापक व विविध दृष्टिकोण के साथ, ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने देश की सद्भावना दिखाने के लिए 'बेहतरीन पहल' तैयार कीं, 'जिससे बातचीत में प्रगति हुई। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमने शुरू से ही घोषणा की थी कि हमें अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। हमारे अविश्वास की दीवार 77 साल पुरानी है। यह ऐसे समय में है जब 12 महीनों से भी कम समय में उन्होंने बातचीत के दौरान दो बार हम पर हमला किया। इसलिए, उन्हें ही हमारा विश्वास जीतना होगा। क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ हालिया धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में लंबी बातचीत की। ये वार्ताएं किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकीं। यह बातचीत 40 दिनों की लड़ाई के बाद बुधवार को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद हुई थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंचे

बर्लिन , एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन दौरे पर पहुंचे हैं। वे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश सचिव मंगलवार (भारतीय समयानुसार) तड़के बर्लिन पहुंचे, जहां जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने उनका स्वागत किया। जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंच गए हैं। यह यात्रा जनवरी 2026 में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत की सफल यात्रा के बाद हो रही है, और यह भारत व जर्मनी के बीच नियमित संवाद को दर्शाती है। ' भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने भी सोशल मीडिया के जरिए

भी विदेश सचिव मिस्त्री का बर्लिन में स्वागत किया। भारतीय राजदूत ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'उनकी यह यात्रा भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण दायरे की समीक्षा करने, द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा को आगे बढ़ाने व क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर प्रदान करती है। ' इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा की घोषणा करते हुए बताया था कि विदेश सचिव मिस्त्री, जर्मनी के विदेश कार्यालय के राज्य सचिव गेजा एंड्रियास वॉन गेयर के साथ मिलकर भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चर्चाओं में द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, विकास सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध व आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मामले शामिल हैं।' विदेश सचिव के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। यह यात्रा विदेश सचिव की पेरिस यात्रा के ठीक बाद हो रही है, जहां उन्होंने सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स के साथ मिलकर भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चर्चाओं में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल क्षेत्रों में सहयोग, एआई, नवाचार व मानवीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहलें शामिल थीं। इससे पहले, भारतीय विदेश सचिव ने फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरो से भी मुलाकात की।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति का किया जिक्र

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप दी। डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद ! इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की

नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ट्रंप की टैक्स नीति से सिमंस जैसी कामकाजी महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिमंस ने पिछले साल टिप्स से करीब 11,000 डॉलर कमाए, जिससे वह अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

असफल इस्लामाबाद वार्ता पर जेडी वेंस बोले- अमेरिका का रुख साफ, अब गेंद ईरान के पाले में

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है।

वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है।

समझिए बातचीत क्यों रुकी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी। उसके पास निर्णय

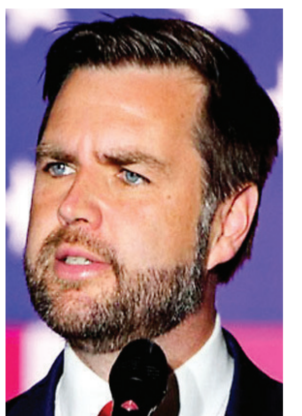

लेने की क्षमता नहीं थी। वेंस ने कहा कि ईरानी टीम को कई फैसलों के लिए तेहरान से मंजूरी लेनी पड़ती है, इसलिए तुरंत समझौता नहीं हो पाया और ये वार्ता के असफल रहने का सबसे बड़ा कारण बना।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर वेंस ने भी साफ किया रुख : वेंस ने साफ कहा कि वह पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अमेरिका की रेड लाइन मान लेता है, तो यह दोनों देशों के लिए अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस के अनुसार, अब अगला कदम ईरान को उठाना है क्योंकि अमेरिका ने बातचीत में कई प्रस्ताव पहले ही रख दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा कीमतें लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहेगी और अमेरिका इस पर काम कर रहा है।

पीएम मार्क कार्नी की विशेष चुनावों में बड़ी जीत; लिबरल पार्टी को मिला बहुमत, 2029 तक सत्ता का रास्ता साफ

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने विशेष चुनावों में अहम जीत दर्ज करते हुए संसद में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ अब सरकार को कानून पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत नहीं होगी। संसद की 343 सीटों में से तीन खाली सीटों पर हुए चुनाव में लिबरल उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टोरंटो के यूनिवर्सिटी-रोसडेल सीट से डेनिएल मार्टिन और स्कारबोरो साउथवेस्ट से डॉली बेगम ने जीत हासिल की। क्यूबेक की एक सीट का परिणाम देर रात तक आना बाकी था, लेकिन वहां भी लिबरल पार्टी को बढ़त मिलने की संभावना जताई गई।

लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक रह सकता है : इस जीत के बाद लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक जारी रह सकता है, जिससे सरकार को स्थिरता और अपनी नीतियों को लागू करने के लिए मजबूत आधार मिलेगा।

कार्नी ने ट्रूडो की जगह ली : कार्नी, जिन्होंने 2025 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी, पिछले साल के आम चुनाव में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। उनकी जीत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित एनेक्सेशन (विलय) जैसे बयानों के खिलाफ कनाडाई जनता के गुस्से की बड़ी भूमिका रही।

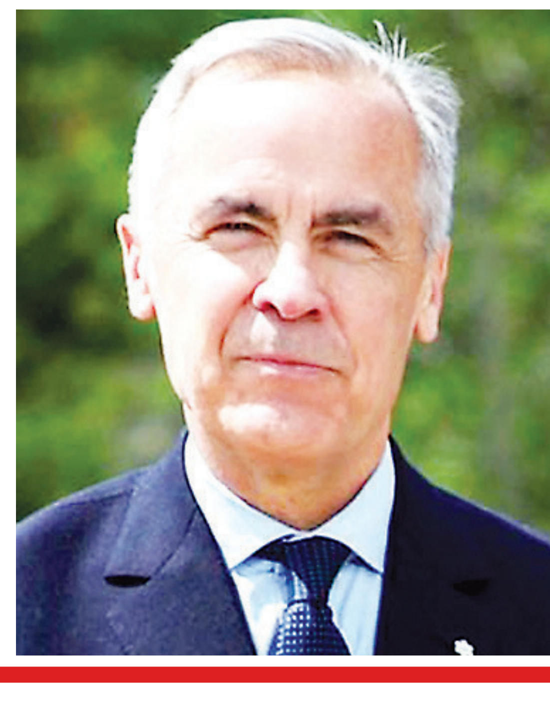

विपक्षी दलों के नेता लिबरल पार्टी में हुए थे शामिल : हाल के महीनों में विपक्षी दलों के पांच सांसदों, जिनमें चार कंजरवेटिव पार्टी से थे। उनके लिबरल पार्टी में शामिल होने से सरकार पहले ही बहुमत के करीब पहुंच गई थी। इन सांसदों में से एक ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कार्नी के भाषण को अपने फैसले की वजह बताया, जिसमें उन्होंने बड़ी शक्तियों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव की आलोचना की थी।

क्या है विशेषज्ञों की राय : राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका-कनाडा संबंधों में आई गिरावट ने भी कार्नी के पक्ष में माहौल बनाया। मॉन्ट्रियल स्थित मैकगिल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डैनियल बेलांद का कहना है कि कार्नी तेजी से एक प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं।

कंजरवेटिव नेता की प्रतिक्रिया : वहीं, यह नतीजा कंजरवेटिव नेता पियरे पोइलिव्रे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे पहले ही पिछला आम चुनाव और अपनी संसदीय सीट हार चुके थे, हालांकि बाद में संसद में वापसी कर चुके हैं। पार्टी के भीतर भी उनकी पकड़ कमजोर बताई जा रही है। पोइलिवर ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे देश और संसद में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अगले चुनाव में कनाडा को फिर से वापस लेने की कोशिश करेंगे।

ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट लड़कों के पास जरूर होने चाहिए

ब्यूटी प्रोडक्ट और पुरुष

क्यों हमेशा ब्यूटी और ब्यूटी प्रोडक्ट को लड़कियों के साथ ही जोड़कर देखा जाता है? जबकि ब्यूटी प्रोडक्ट केवल आपको स्वच्छ और तरोताजा रखने का काम करते हैं। लड़का हो या लड़की, ठंड में स्किन ड्राय होने और गर्मी में ऑयली होने की समस्या हर किसी को होती है। ऐसे में अपने चेहरे और शरीर की देखभाल के लिए क्रीम, मॉशचराइजर, फेस वॉश आदि की जरूरत होना लाजिमी है। इसलिए माना गया है कि लड़कों के पास ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट जरूर होने चाहिए।

बॉडी या फेस वॉश

हर पुरुष के बाथरुम में बॉडी वॉश या फेस वॉश जरूर होना चाहिए, क्योंकि इन प्रोडक्ट में सोडियम हाइड्रोक्साइड की मात्रा कम होती है, जो कि साबुन में अधिक होती है। इसलिए साबुन की तुलना में इनका इस्तेमाल करना बेहतर होता है। इससे स्किन ड्राय नहीं होती और आप खुद को फ्रेश भी महसूस करते हैं।

शेविंग क्रीम

शेविंग क्रीम या जेल का इस्तेमाल शेविंग करने के दौरान किया जाता है, जिससे कि त्वचा में नमी बने रहे और उसमें कट नहीं लगे। इन प्रोडक्ट में ग्लिसरीन और शी बटर होता है जो स्कीन को मॉश्चराइज करता है।

इलेक्ट्रिक शेवर

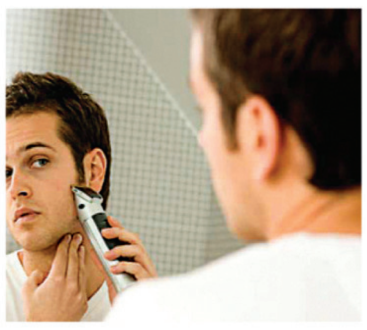

आजकल इलेक्ट्रिक शेवर का इस्तेमाल अधिक होने लगा है, जिसे कई बार बड़े-बूढ़े शहरीकरण और तकनीक के चोंचले बोलकर नजरअंदाज कर देते हैं।, जबकि इलेक्ट्रिक रेजर के इस्तेमाल से चेहरे पर कट नहीं लगता और त्वचा भी चिकनी बनी रहती है। साथ ही ये शेवर बालों को जल्दी नहीं आने देती।

नाइट क्रीम

रात का समय वो समय है, जब शरीर के साथ चेहरे की स्किन भी आराम करती है। रात को सोने के दौरान त्वचा अपने आप रिपेयर होती है, जिसके लिए उसे मॉश्चराइजर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में मूंह और हाथ-पैर धुलकर क्रीम लगाकर ही सोएं। इससे चेहरा ग्लो भी करेगा और ड्राई भी नहीं होगा। साथ ही त्वचा में नमी भी बनी रहेगी।

परफ्यूम

सर तुमको मर्दानी का वास्ता.... विज्ञापन के ऐसे टैगलाइन्स ने परफ्यूम और साबुनों की छवि पुरुषों के दिमाग में गलत बना दी है। जबकि परफ्यूम आपके पसीने की बदबू को दूर कर आपको महकाने का काम करता है। परफ्यूम का हल्का स्प्रे आपको पसीने में भी फ्रेश करने का काम करेगा।

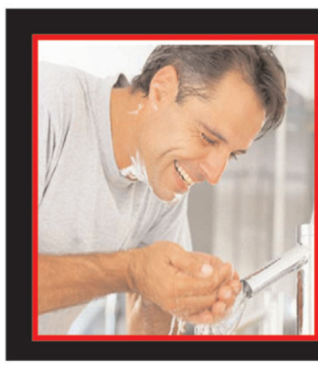

हैंडसम दिखने के लिए रोजाना शेविंग के पहले और बाद करें ये काम

शेविंग सही तरीके से करना भी बेहद जरूरी है। रेजर का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें, इससे लंबे स्ट्रोक्स लगाएं, जिससे ब्लेड पर कम दबाव पड़ेगा और शेविंग स्मूद हो जाएगी। अच्छी एवं क्लीन शेव के चक्कर में अकसर लोग ब्लेड पर ज्यादा जोर देते हैं, जिससे बाल ही नहीं, त्वचा भी कट जाती है। ऐसी गलती भूलकर भी न दोहराएं। शेविंग करते समय इनग्रोन बालों के कारण कट्स या रेजर बंप लग जाते हैं। अगर शेविंग करने से त्वचा पर जलन महसूस हो तो समझें कि आपका रेजर सही नहीं है। मैनुअल रेजर से क्लोजर शेव बनती है, क्योंकि इसमें ब्लेड बहुत नजदीक होते हैं, जिससे त्वचा में खुजली या जलन हो सकती है। अगर आपको रेजर बंप होते हैं तो आप इलेक्ट्रिक रेजर का इस्तेमाल करें, जिससे क्लोज शेव नहीं मिलती पर इससे जलन नहीं होती। इलेक्ट्रिक हो या मैनुअल, जो सही लगे, उसी रेजर का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

लौकी मूंगफली सूप

- 200 ग्राम लौकी
- 1 हरी मिर्च
- 1 अदरक, छोटा टुकड़ा
- 2 बड़े चमच्च मूंगफली, छीलकर भून ले
- नमक, स्वाद के अनुसार
- 1 बड़ा चमच्च राजगिरे का आटा
- 1 छोटा चमच्च ओलिव का तेल
- 4 पुदीना, पत्ते
- काली मिर्च पाउडरः स्वाद के अनुसार
- क्रीमः गार्निश के लिए

विधि

लौकी मूंगफली सूप बनाने के लिए सबसे पहले कूकर मे लौकी के टूकडे, हरीमिर्च, अदरक, मूंगफली के दाने और चुटकीभर नमक, जरूरत के अनुसार पानी मिलाकर पकाएं। 2 सिटी आने तक या लौकी के नरम आने तक पकाएं। तड़का पेन मे 1 टीस्पून ऑलिव ऑइल लें। राजगीरे का आटा धीमी ऑच पर भून लें। (ध्यान रखे ज्यादा न भूने) आटा पके हुए लौकी के सूप में मिलाएं। ब्लेंडर की मदद से मिला लें। पुदीना पत्ते हाथों से तोड़कर डालें। कालीमिर्च पाउडर डालें। 2 से 3 मिनट तक पकाएं। क्रीम और पुदीना पत्ते से सजाए और गरमा गरम परोसे। लौकी मूंगफली सूप को आप अपने खाने के पहले परोसें। आप इस सूप को बीन स्प्राउट और कॉर्न सलाद के साथ सेहतमंद भोजन के लिए भी परोस सकते हैं।

साउथ इंडियन गाजर पोरियल

- 4 गाजर, छोटे या लंबे कटे हुए
- 1/2 छोटा चम्मच राई
- 1/2 छोटा चम्मच सफेद उड़द दाल
- 1 सुखी लाल मिर्च
- 4 कड़ी पत्ता, बीच में से तोड़े हुए
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 छोटा चम्मच हींग
- 1/4 कप नारियल किसा हुआ
- 1 छोटा चम्मच तेल
- नमक, स्वाद के अनुसार

विधि

साउथ इंडिया गाजर पोरियल बनाने के लिए, सबसे पहले कटी हुई गाजर को प्रेशर कुकर में नमक और पानी के साथ भाप लें। कुकर में 2 सिटी आने तक उसे भापें, प्रेशर निकालें और जब वो नरम हो जाए उसे साइड में रख दें। अब इसमें तड़का लगाने के लिए, एक कढ़ाई में तेल गरम करें। जब वो गरम हो जाए तो उसमे राई, कड़ी पत्ता, उड़द दाल और लाल मिर्च डालें। इसे 10 से 15 सेकंड्स के लिए पकने दें। सुनहरा होने के बाद उसमे हींग, हल्दी पाउडर, गाजर और नमक डालें। कुछ मिनट के लिए पकाए और उसे नारियल से गार्निश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग जौन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

काकुरो पहेली - 4026

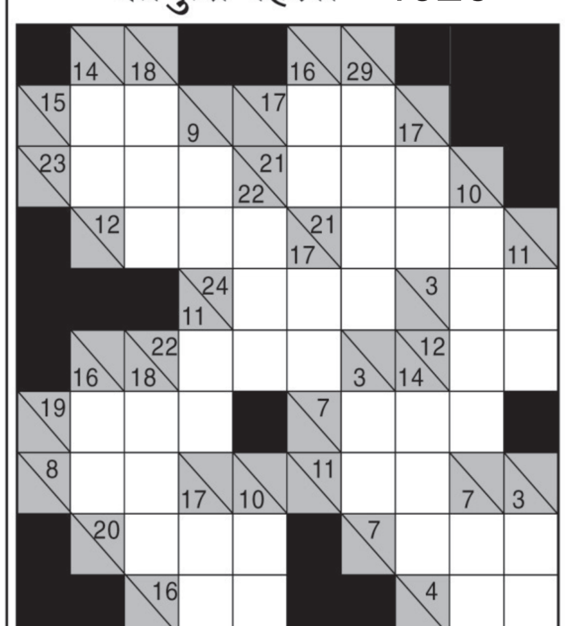

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

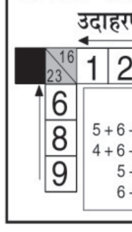

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4025 का हल

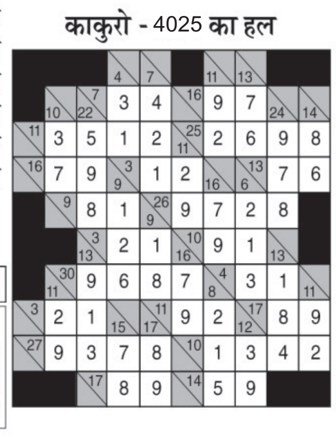

फिल्म वर्ग पहेली- 4026

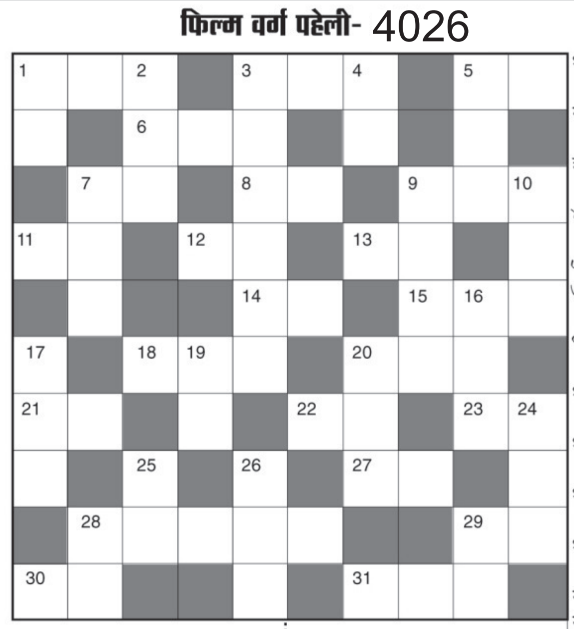

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4025

सूडोकु -4026

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4025 हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 4026

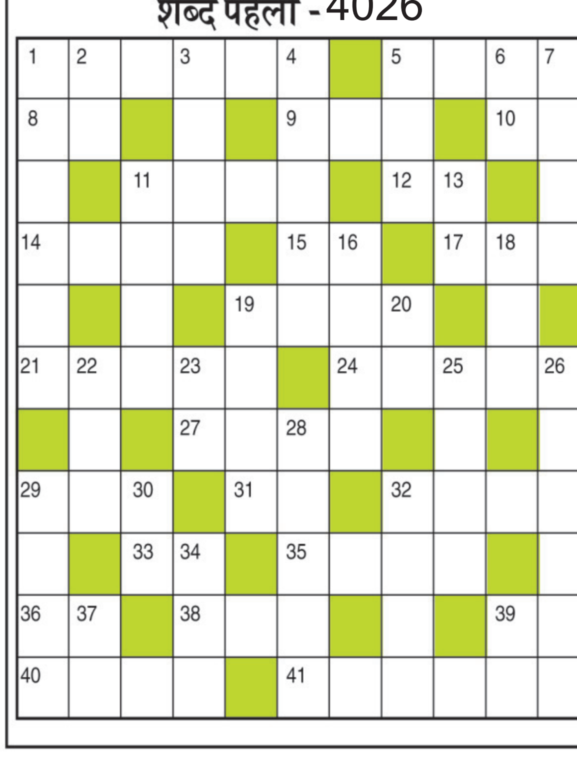

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली 4025 का हल

नीतीश कुमार के इस्तीफे पर ललन सिंह की भावुक प्रतिक्रिया, कहा-बिहार के विकास युग का हुआ समापन

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर भावुक प्रतिक्रिया दिया है। उन्होंने कहा यह बिहार की विकास यात्रा के एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक अध्याय का समापन है। ललन सिंह ने अपने बयान में कहा कि नीतीश कुमार का इस्तीफा केवल एक पद का त्याग नहीं है, बल्कि यह वर्षों की तपस्या, समर्पण और जनसेवा के एक युग का विराम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नीतीश कुमार का नाम 'नव बिहार के नव निर्माण के कुशल शिल्पकार' के रूप में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने 'न्याय के साथ विकास' के मूल मंत्र को अपनाते हुए बिहार में सुशासन की मिसाल पेश की और कानून के राज को मजबूत किया। उनके अनुसार, नीतीश कुमार ने हर वर्ग में सुरक्षा और विश्वास की भावना को स्थापित किया तथा राज्य को एक नई पहचान दी। ललन सिंह ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार के विकास और सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा एक भावनात्मक क्षण है, जिसने उन सभी लोगों को प्रभावित किया है जिन्होंने बिहार के इस परिवर्तन को देखा है।

हरिद्वार कुंभ स्नान की तिथियां घोषित, मेष संक्रांति 14 अप्रैल 2027 को होगा प्रमुख अमृत स्नान

हरिद्वार। धर्मनगरी में अगले वर्ष होने वाले कुंभ पर्व के स्नान की तिथियां कुंभ मेला प्रशासन ने घोषित कर दी हैं। कुंभ का प्रमुख अमृत स्नान 14 अप्रैल 2027 को मेष संक्रांति पर होगा। कुंभ में स्नान पर्व की तिथियों की जानकारी देते हुए कुंभ मेला अधिकारी सोनिका ने बताया कि 14 अप्रैल 2027 को मकर संक्रांति के प्रमुख अमृत स्नान के अलावा महाशिवरात्रि का अमृत स्नान 6 मार्च 2027 को जबकि फागुन अमावस्या का अमृत स्नान 8 मार्च 2027 को होगा। उन्होंने बतायाकि इन तीन प्रमुख स्नान के अलावा 14 जनवरी 2027 मकर संक्रांति, 6 फरवरी 2027 मौनी अमावस्या, 11 फरवरी 2027 बसंत पंचमी, 20 फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा, 7 अप्रैल 2027 नव संवत्सर, 15 अप्रैल 2027 श्रीरामनवमी तथा 20 अप्रैल 2027 चैत्र पूर्णिमा को भी कुम्भ स्नान की तिथियां में शामिल किया गया है।

गौपालन में गिरावट से बढ़ी कृषि लागत और उर्वरता संकटः नवल किशोर

देहरादून। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में लगातार गिरावट के चलते किसानों की कृषि लागत बढ़ रही है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ने से भूमि की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गौवंश संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने की जरूरत है। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर यहां तिलक रोड पर आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'गौवृत्ति परिवार' मॉडल को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में देश में केवल करीब 15 प्रतिशत गौवंश ही किसानों के पास है, जबकि 85 प्रतिशत गायें गौशालाओं में सरकार और सामाजिक संस्थाओं के भरोसे हैं। इस व्यवस्था से सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौपालन समाज की जिम्मेदारी बने बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में आई गिरावट ने कृषि लागत बढ़ा दी है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ाकर भूमि की उर्वरता को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जैविक खाद, पंचगव्य और अन्य गौ-उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में की अंतरिम बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से हुईं लागू

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में श्रमिकों के प्रदर्शन के चलते औद्योगिक सामंजस्य एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन में तात्कालिक रूप से अंतरिम वृद्धि कर दी है। जिसमें सबसे अधिक बढ़ोतरी कुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए की गई है। यह वृद्धि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिलों में सबसे अधिक 21 प्रतिशत तक की गई है। सरकार ने यह नई अंतरिम वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से ही प्रभावी होंगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के आफिस में एक प्रेस वार्ता कर उक्त जानकारी दी। दीपक कुमार ने हाल में हुए घटनाक्रमों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया हे। उन्होंने बताया कि इस अंतरिम वेतन वृद्धि के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11313 से बढ़ाकर 13690 रूपये कर दिया गया है। अर्द्ध कुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 से बढ़ाकर 15059 रूपये किया गया है, जबकि कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 16868 किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य नगर निगम वाले जनपदों के लिए अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर 13006 रूपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 से बढ़ाकर 14306 रुपये तथा कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 16025 रूपये कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया फोन, पश्चिम एशिया संकट पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कॉल किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मेरे मित्र, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हम सभी क्षेत्रों में अपनी 'व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर भी जोर दिया।' अस्थाई संघर्ष विराम के बाद पीएम मोदी और ट्रंप के बीच ये पहली

बातचीत है। वहीं, ये बीस दिन में दूसरी बार बातचीत हुई है। इससे पहले 24 मार्च को फोन पर बात हुई थी। उस बातचीत में भी दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात पर बात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत चाहता है कि तनाव कम हो और जल्द से जल्द शांति बहाल हो। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने की अहमियत भी बताई थी, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बता दें, कि हाल ही में ईरान-यूएस के बीच इस्लामाबाद में स्थाई शांति को लेकर की चर्चा बेनतीजा रही। इसके बाद से ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज स्ट्रेट के नाकाबंदी की बात कही। होर्मुज पर ईरान की दावेदारी और अमेरिकी की कथित नाकेबंदी के बीच दुनिया इस मुद्दे को लेकर गंभीर है। ही फ्रांस-यूके ने जल्द ऑनलाइन बैठक का आयोजन करने की घोषणा की।

इस बैठक में होर्मुज का रास्ता सुगम बनाने को लेकर मंत्रणा होगी। वर्चुअल बैठक इस महीने की शुरुआत में यूनाइटेड किंगडम की अगुवाई में 40 से अधिक देशों के मंत्रियों की हुई बैठक का अगला चरण मानी जा रही है। उस बैठक में उस अहम समुद्री चोकपॉइंट पर चर्चा हुई थी, जहां हजारों जहाज और उनके चालक दल फंसे हुए हैं।

देवघर पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सत्संग आश्रम में लिया आचार्य देव का आशीर्वाद

एजेंसी

देवघर। पश्चिम बंगाल चुनाव की सरगर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री एवं चुनाव पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव देवघर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे भी मौजूद रहे। देवघर पहुंचते ही भूपेंद्र यादव सीधे सत्संग आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रम के आचार्य देव से मुलाकात की और उनसे लंबी बातचीत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनावी माहौल में धार्मिक स्थलों का दौरा और धर्मगुरुओं से मुलाकात को महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम माना जाता है। देवघर स्थित सत्संग आश्रम में चुनाव के समय नेताओं का आना और आशीर्वाद लेना एक परंपरा के रूप में देखा जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी सत्संग आश्रम पहुंचकर आचार्य देव से आशीर्वाद ले चुके हैं। ऐसे में भूपेंद्र यादव का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित, 2,262 से ज्यादा की हुई वापसीः सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटे में किसी भी भारतीय झंडे वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजी शिपिंग) ने अब तक खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से 2,262 से ज्यादा भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी करवाई है, जिनमें पिछले 24 घंटे में 85 लोग शामिल हैं। डीजी शिपिंग के कंट्रोल रूम ने सक्रिय होने के बाद से अब तक 6,292 कॉल और 13,228 से ज्यादा ईमेल संभाले हैं। इनमें पिछले 24 घंटे में 219 कॉल और 361 ईमेल शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश भर के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी भीड़ या रुकावट की स्थिति नहीं है।

बयान में कहा गया कि मंत्रालय लगातार विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ समन्वय बनाए हुए है ताकि भारतीय नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियों का संचालन बिना बाधा जारी रहे। वहीं, विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि खाड़ी क्षेत्र में

भारतीय दूतावास और मिशन भारतीय समुदाय के लगातार संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी सलाह (एडवाइजरी) जारी कर रहे हैं। इस बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कुवैत और इजरायल के विदेश मंत्रियों से बातचीत कर क्षेत्र की स्थिति और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्षों से भी पश्चिम एशिया के हालात को लेकर बातचीत की। मंत्रालय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ भी लगातार संपर्क में है, ताकि जानकारी का बेहतर आदान-प्रदान हो सके और समन्वय मजबूत बना रहे। सरकार ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है। भारतीय दूतावास 24 घंटे हेल्पलाइन के जरिए लोगों की मदद कर रहे हैं और स्थानीय सरकारों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाईः बिल्डर-वित्तीय संस्थान सांठगांठ मामलों में 8 राज्यों में 77 ठिकानों पर छापेमारी

22 नए केस दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के बीच कथित सांठगांठ से जुड़े मामलों में देशभर में बड़ा अभियान चलाया है। एजेंसी ने इस मामले में 22 नए केस दर्ज किए हैं। सीबीआई की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर की गई है। इन मामलों में आरोप है कि कुछ बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने मिलकर घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी की और वित्तीय अनियमितताएं कीं। इन्हीं मामलों की जांच के तहत सीबीआई ने 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 77 जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान देशव्यापी स्तर पर समन्वित तरीके से चलाया गया।

तलाशी के दौरान एजेंसी को कई अहम दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली है। इन सभी को जब्त कर लिया गया है और अब उनकी गहन

जांच की जा रही है।

सीबीआई का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य रियल एस्टेट सेक्टर में चल रही कथित गड़बड़ियों और बड़े वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश करना है। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि कैसे बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के बीच मिलीभगत से आम लोगों को नुकसान पहुंचाया गया।

सीबीआई ने यह भी बताया कि इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद अलग-अलग बिल्डरों के खिलाफ 28 मामले दर्ज किए गए थे, जिनकी जांच अब अंतिम चरण में है। इन 22 नए मामलों को मिलाकर अब तक कुल 50 केस दर्ज किए जा चुके हैं।

वहीं, एजेंसी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वह निष्पक्ष और तेज जांच के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए और घर खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके।

भाजपा बंगाल में 'लव जिहाद' और 'बहुविवाह' की प्रथा को समाप्त करेगीः गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर इस महीने के अंत में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो वह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करके राज्य में व्याप्त 'लव जिहाद' और 'बहुविवाह' की प्रथा को समाप्त कर देगी। उन्होंने मालदा जिले के मानिकचक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोगों को एक साथ चार विवाह करने की स्वतंत्रता है, लेकिन चिंता न करें। अगले महीने बंगाल में सरकार बनने के बाद यूसीसी लागू कर दी जाएगी। एक समय में चार विवाह करने की प्रथा समाप्त हो जाएगी। राज्य में अब 'लव जिहाद' या 'लैंड जिहाद' नहीं होगा। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के पिछले 15 वर्षों के दौरान राज्य में

भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी दी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगर वे सोचते हैं कि वे बच निकलेंगे, तो वे गलतफहमी में हैं। परिणाम घोषित होने दीजिए और नई सरकार का गठन होने दीजिए। भ्रष्टाचार में लिप्त प्रत्येक व्यक्ति सलाखों के पीछे होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर तृणमूल कांग्रेस के असामाजिक तत्व 23 और 29 अप्रैल को मतदान प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इसलिए मैं उन्हें चेतावनी दे रहा हूं कि मतदान के दिनों में वे अपने घरों में रहें। अन्यथा, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसी के साथ, केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर का पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने का सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि बाबर ने राम मंदिर को ध्वस्त किया था। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। इसलिए हुमायूं कबीर को ध्यान से सुनना चाहिए कि भारत में कहीं भी कोई बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं कर पाएगा। बाबरी मस्जिद के निर्माण का सपना कभी पूरा नहीं होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार भाजपा ने पश्चिम बंगाल में आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद का खात्मा किया है, उसी प्रकार वह पश्चिम बंगाल सहित देश में अवैध घुसपैठ को भी रोकेगी।

भारतीय मुसलमानों के गौरवशाली इतिहास पर पांच दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में द वोवन लैंडः ए विजुअल नैरेटिव ऑफ मुस्लिम हिस्ट्री इन इंडिया नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत के निर्माण में मुसलमानों के ऐतिहासिक योगदान को विस्तार से दिखाया गया है। 'इंडियन हिस्ट्री फोरम' की ओर से आयोजित इस प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन सुबह 11:00 बजे कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में हुआ। इनमें जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी, अजमेर शरीफ दरगाह की अंजुमन कमेटी के सचिव मौलाना सैयद सरवर चिश्ती, मौलाना असगर अली इमाम मेहदी, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता शमशाद आलम समेत अन्य बुद्धिजीवी और सामुदायिक नेता शामिल थे। यह प्रदर्शनी भारत में इस्लाम के आगमन और अलग-अलग क्षेत्रों में उसके योगदान और प्रभाव की पूरी कहानी तस्वीरों और दृश्यों के ज़रिए बताती है। सुव्यवस्थित प्रदर्शनों और मॉडलों की एक श्रृंखला के माध्यम से, यह शिक्षा, व्यापार, सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और शास्त्रीय ग्रंथों के अनुवाद में मुसलमानों की भूमिका को उजागर करती है। इसके साथ ही वास्तुकला, संस्कृति, भाषा के विकास के साथ-साथ विज्ञान और खगोल विज्ञान में हुई प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण इसका '360-डिग्री विजुअल अनुभव' है, जिसे आगंतुकों को इतिहास की एक गतिशील यात्रा से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह इंस्टॉलेशन कहानी कहने की कला को दृश्यों के साथ जोड़ता है, ताकि उस साझा विरासत और सांस्कृतिक समन्वय की गहरी समझ पैदा हो सके जिसने सदियों से भारतीय समाज को आकार दिया है।

महिला आरक्षण - मोदी सरकार ने संशोधन विधेयक का मसौदा जारी किया, लोकसभा सीटें बढ़ाकर 850 करने का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सांसदों के साथ संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा साझा किया। यह महिला आरक्षण विधेयक में प्रस्तावित संशोधन है, जिसका उद्देश्य लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सदस्य शामिल होंगे। यह बिल राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों से सीधे चुनाव द्वारा चुने जाने वाले सदस्यों की संख्या पर 815 की सीमा प्रस्तावित करता है। केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के लिए बिल में कहा गया, 'केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 35 से अधिक सदस्य नहीं होंगे, जिनका चुनाव उस तरीके से किया जाएगा जैसा संसद कानून द्वारा निर्धारित करे।'

वर्तमान में राज्यों से लोकसभा के 530 सदस्य और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य हैं। हालांकि, एक परिसीमन आयोग ने यह संख्या 543 निर्धारित की थी। बिल में एक और जरूरी बदलाव आबादी की परिभाषा है, जिससे पार्लियामेंट को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। संविधान के आर्टिकल 81 के क्लॉज (3) में बदलाव के लिए बिल यह प्रस्ताव करता है, '(3) इस आर्टिकल में 'आबादी' का मतलब ऐसी जनगणना

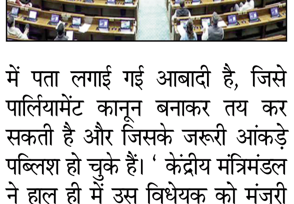

में पता लगाई गई आबादी है, जिसे पार्लियामेंट कानून बनाकर तय कर सकती है और जिसके जरूरी आंकड़े पब्लिश हो चुके हैं।' केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में उस विधेयक को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को जल्द से जल्द लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करना है। साथ ही, इसके जरिए संसद के निचले सदन में सीटों की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। संशोधन विधेयक अनुच्छेद 82 में भी परिवर्तन प्रस्तावित करता है, जिसके तहत 'प्रत्येक जनगणना के पूरा होने पर, सीटों का आवंटन' स्थान पर 'सीटों का आवंटन' शब्द रखे जाएंगे। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य कोटे के कार्यान्वयन को 2027 की जनगणना से अलग करना और इसके बजाय इसे 2011 की जनगणना पर आधारित करना है, जिससे 2029 के आम चुनावों से पहले इसे लागू किया जा सके। अनुच्छेद 82 में संशोधन विधेयक परिसीमन आयोग की भूमिका को भी शामिल करने का प्रस्ताव करता है।यह विधेयक लोकसभा और विधानसभाओं में रोटेशन के आधार पर सीटों के आरक्षण की बात भी करता है और इसमें उन अवधियों से संबंधित अनुच्छेद भी शामिल हैं, जिनके लिए महिलाओं का आरक्षण लागू रहेगा, बशर्ते संसद द्वारा इसे आगे बढ़ाया जाए। इससे पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि महिला आरक्षण बिल में प्रस्तावित संशोधन में कुछ भी विवादित नहीं है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण किए बिना इसका समर्थन करें। बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि महिला आरक्षण किसी भी रूप में राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जा सकता। अगर हम इसे राजनीतिक रंग देते हैं, तो यह महिलाओं के साथ अन्याय होगा। प्रधानमंत्री ने दलीय राजनीति से ऊपर उठने की बहुत ही सरल और स्पष्ट अपील की है। नारी शक्ति अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) एक ऐसा कानून है, जिसका सभी दलों ने समर्थन किया और जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। अब, हमने इसे लागू करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया है। बता दें कि सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा करने और उसे पारित करने के लिए 16 अप्रैल से तीन दिवसीय विशेष संसद सत्र बुलाया है। भाजपा ने लोकसभा और राज्यसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन-लाइन का व्हिप जारी किया है।

आर्मी कमांडर्स के बीच पहुंचे कैबिनेट सचिव, कहा- स्वयं के एआई सिस्टम विकसित करने होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । आर्मी कमांडर्स सम्मेलन में देश के कैबिनेट सचिव डॉ टीवी सोमनाथन ने शिरकत की। यहां टॉप आर्मी कमांडर्स के बीच पहुंचकर कैबिनेट सचिव ने कहा कि भारत को अपने स्वयं के एआई सिस्टम विकसित करने होंगे। उन्होंने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कैबिनेट सचिव का कहना था कि चुनौती के समय पूरे देश को एकजुट होकर काम करना होगा। गौरतलब है कि नई दिल्ली में भारतीय सेना की कमांडर्स कांफ्रेंस चल रही है। कैबिनेट सचिव ने सेना के कमांडर्स सम्मेलन में ये अहम विचार रखे। सैन्य कमांडर्स की इस कांफ्रेंस में कैबिनेट सचिव डॉ टीवी सोमनाथन ने वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व को संबोधित किया। उन्होंने यहां मार्ग दर्शन देते हुए बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय हालात के बीच भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने सैन्य कमांडर्स से हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर जोर दिया। कैबिनेट सचिव ने यहां देश की समग्र सुरक्षा और तैयारी से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से अपने विचार रखे।

उन्होंने स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दरअसल, आज के समय में तकनीक खासकर एआई, राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय लेने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बन चुकी है। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को अपने स्वयं के एआई सिस्टम विकसित करने होंगे, ताकि किसी भी बाहरी निर्भरता से बचा जा सके और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने मजबूत और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की अहमियत पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर लगातार बदलते हालात, संघर्षों और आर्थिक उतार-चढ़ाव के बीच यह जरूरी है कि भारत की सप्लाई चेन इतनी मजबूत हो कि किसी भी संकट की स्थिति में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनी रहे। गौरतलब है कि इससे देश की रक्षा तैयारियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। डॉ. सोमनाथन ने नागरिक और सैन्य संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि केवल सेना या सरकार अकेले किसी चुनौती का सामना नहीं कर सकती, बल्कि इसके लिए पूरे देश को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने 'संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण' को अपनाने की बात कही, जिसमें सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थान और आम नागरिक सभी अपनी भूमिका निभाएं। अपने संवाद के दौरान उन्होंने आत्मनिर्भरता को केवल एक सरकारी नीति नहीं, बल्कि एक सोच बताया।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है जब देश का हर क्षेत्र, हर संस्था और हर नागरिक इसमें योगदान दे। यह सोच न केवल रक्षा क्षेत्र में, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक क्षेत्रों में भी मजबूती लाएगी।

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही:जेपी नड्डा

एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है।

श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु (तमिल नववर्ष) और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, 'हम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन

सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।'

श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं।

उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है? यह पारिवारिक शासन है। द्रमुक ने महिलाओं, युवाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के विश्वास को धोखा दिया है।

घोषणापत्र के शुभारंभ के दौरान पुथांडु के अवसर पर बधाई देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस शुभ अवसर पर तमिलनाडु में अपने भाई-बहनों के साथ रहना उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। यह नववर्ष आप सभी के लिए खुशियां, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि विधि क्षेत्र और सामाजिक न्याय में उनके अद्वितीय योगदान से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी।

गौतम गंभीर को हटाया तो.., मुनाफ पटेल ने दी कड़ी चेतावनी, रोहित-कोहली को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीओआई से बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो। रोहित शर्मा को ना कहकर देखो। मुझे बताओ देश को कोचिंग देने के लिए गंभीर कितने लोगों को अपना दुश्मन बना रहे हैं? इन सब बातों के बावजूद, गंभीर ने एक व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर बेहतरीन काम किया है और भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप में खिताब दिलाए हैं।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, 'जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।' उन्होंने कहा, 'दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।' एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं।

मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी। इसलिए मेरा मानना है कि धोनी को फिर से लय में लाने का ये सबसे बेहतर तरीका है। इससे उनकी फिटनेस को लेकर भी कोई खतरा नहीं रहेगा।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3~30 बजे शुरू होगा।

वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7~30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई । अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है। टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है। टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है। अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं। ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है। 25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं। वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं। ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है। वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है। सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये। इसके बाद दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ऑकलैंड। न्यूजीलेंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में बुधवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (PNG) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई। इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंतत- टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा।

मैच में बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

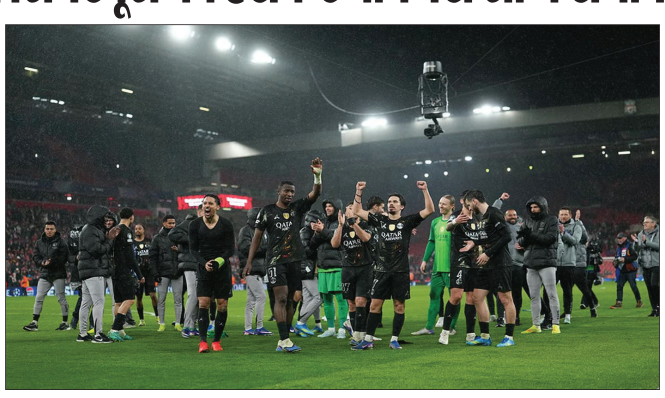

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, 'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा।'

इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा।

लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा,'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई। इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया।मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.द्4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला, वेई ई ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी । दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।'जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती। वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे। जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा। जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे। उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे। वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे। वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

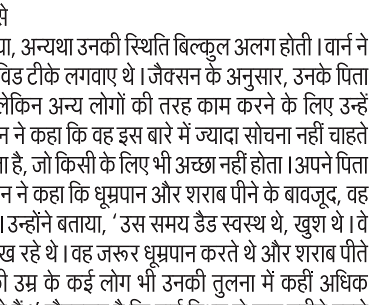

आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

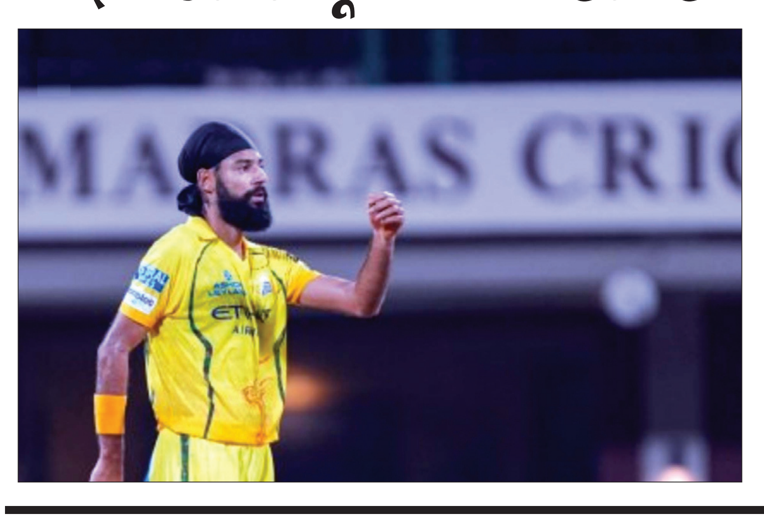

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोल्ड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट था। . उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारवुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा

ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुधींद्र, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनूम बिहारी, 2019 में अल्जारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।

आमिर खान प्रोडक्शंस की 'एक दिन' से साई पल्लवी कर रही हैं अपना बॉलीवुड डेब्यू, परफॉर्मेंस में देखने मिलेगा रॉ केमिस्ट्री' और इमोशंस का जादू

साई पल्लवी की हिंदी डेब्यू फिल्म एक दिन में देखने मिलेगी उनकी इमोशनल डेप्थ और रॉ केमिस्ट्री की झलक

जब से साई पल्लवी और जुनैद खान स्टारर एक दिन का ट्रेलर और गाने रिलीज़ हुए हैं, आमिर खान प्रोडक्शंस की इस फिल्म ने जबरदस्त बज क्रिएट कर दिया है।

अरिजीत सिंह की रूहानी आवाज़ ने फिल्म के संगीत में जो जान फूंकी है, उसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है।

आमिर खान प्रोडक्शंस की एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान नज़र आने वाले हैं, एक प्यारी, जादुई और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है जिसने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। अपने दिलचस्प ट्रेलर और सुकून देने वाले संगीत के साथ, फिल्म ने उत्साह को और बढ़ा दिया है, जो रोमांस का एक ऐसा ताज़ा अंदाज़ पेश करती है जिसे कई लोग बड़े पर्दे पर मिस कर रहे थे।

फैंस विशेष रूप से साई पल्लवी को एक दिन के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखते देखने के लिए उत्साहित हैं। रिलीज़ से पहले, इंडस्ट्री के एक सूत्र ने स्क्रिप्ट पर साई के रिएक्शन और फिल्म की गहरी केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई के बारे में खुलासा किया है।

इंडस्ट्री के सूत्र ने बताया, 'जब से साई ने एक दिन की स्क्रिप्ट सुनी, उनका रिएक्शन तुरंत 'हाँ' था, वह पूरी तरह से इसकी ओर खिंची चली आईं। वह फिल्म की रॉ केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई से गहराई से जुड़ गईं, और उन्हें लगा कि यह एक ऐसी कहानी है जो वास्तव में सबसे अलग है!'

ट्रेलर में उनके किरदार की झलक देखने को मिली, जिसमें साई पल्लवी, जुनैद के किरदार के विपरीत काफी शांत और आत्मविश्वासी नज़र आ रही हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और नेचुरल परफॉरमेंस साफ तौर पर बताती है कि वह क्यों साउथ की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं और अब हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ रही हैं।

एक दिन एक लंबे अंतराल के बाद आमिर खान और फिल्म निर्माता मंसूर खान को फिर से साथ लाती है, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक है। साथ मिलकर, उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ, यह जोड़ी रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके एक बार फिर साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को बड़े पर्दे पर फिर से देखने के लिए बेताब हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और निर्माण आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा किया गया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

साउथ में मिले प्यार पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने की बात

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट पर बात की। इसी के साथ उन्होंने उन खास अवसरों को लेकर भी चर्चा की, जो हाल के दिनों में फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को मिले हैं। बातचीत में तमन्ना ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, 'मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के एक-एक करके रिलीज होने को लेकर बेहद खुश हूं'।

तमन्ना भाटिया ने इंडस्ट्री में खुद को मिलने वाले काम के मौकों के प्रति खुशी जताई। साथ ही कहा कि अधिकांश सितारों को ऐसे मौके नहीं मिलते, खासकर महिलाओं को। तमन्ना ने कहा, 'यह बहुत दिलचस्प है। ज्यादातर कलाकारों को और शायद खासकर महिला कलाकारों को इस तरह का मौका नहीं मिलता। मेरे करियर को 21 साल हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रही हूं'।

अभिनेत्री ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में मिले बेशुमार प्यार और स्वीकार्यता पर अपनी बेहद खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मुझे भी इसमें एक ताजगी का एहसास होता है। और, मुझे लगता है कि दर्शक भी लगातार मेरे प्रति बहुत प्यार और अपनापन दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे सचमुच बहुत ही प्यार से अपनाया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत के साउथ में मुझे बहुत ज्यादा स्वीकार्यता मिली है'।

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म

तमन्ना ने आगे कहा, 'भारत के बाकी सभी हिस्सों से भी मुझे जिस तरह का प्यार और अपनापन मिल रहा है, वह मेरे लिए सचमुच रोमांचक है। साथ ही बहुत विनम्र कर देने वाला अनुभव है। और इसलिए, मैं लगातार ऐसे तरीके ढूंढ रही हूं, जिनसे मैं इस प्यार को किसी न किसी रूप में वापस लौटा सकूं'। वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार की फिल्म 'वीवन' में नजर आएंगी। एकता कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। यह फिल्म इस साल रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आदिवी शेष ने की अपनी को-एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की तारीफ

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर तेलुगु-हिंदी फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में हैं। अब आदिवी शेष ने मृणाल की जमकर तारीफ की है और उन्हें फिल्म के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक बताया है। हालांकि, मृणाल की फिल्म में एंट्री एक अन्य एक्ट्रेस के फिल्म से बाहर होने के बाद हुई है।

बातचीत के दौरान आदिवी शेष ने मृणाल ठाकुर की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने आज तक जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें से वह सबसे ज्यादा जमीन से जुड़ी हुई हैं। जब भी हम सीन पर चर्चा करते थे, वह सचमुच जमीन पर बैठ जाती थीं। वह एक बेहद खूबसूरत अभिनेत्री हैं और मुझे लगा कि उन्होंने जो कुछ भी किया, वह कमाल का था। उनकी आंखों में जो सहानुभूति और भाव झलकते हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। स्क्रीन पर उन्हें देखते ही लोगों के साथ एक झटपट जुड़ाव महसूस होता है।

शूटिंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए आदिवी शेष ने कहा कि पहले कुछ दिनों तक मृणाल हर दिन अलग मूड में सेट पर आती थीं। हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। एक दिन वह खुश और चुलबुली होती थीं और अगले ही दिन गंभीर हो जाती थीं। हालांकि, तीसरे दिन मुझे एहसास हुआ कि वह बस सीन के हिसाब से प्रतिक्रिया दे रही थीं। वह सेट पर आने से पहले ही तैयारी कर रही थीं और वास्तव में उस किरदार के मूड में ढल रही थीं, जिसे वह निभाने वाली थीं।

जेलर 2 से क्यों अलग हुए शाहरुख खान

शाहरुख खान और रजनीकांत, दोनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर आई कि शाहरुख खान और रजनीकांत पर्दे पर एक-साथ नजर आ सकते हैं। खबरें थीं कि शाहरुख खान फिल्म 'जेलर 2' में कैमियो करने वाले थे। हालांकि ताजा अपडेट में पता चला है कि शाहरुख खान ने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है। अब अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' पर ध्यान देना चाहते हैं। 'जेलर 2' के मेकर्स ने खान से एक कैमियो रोल के लिए संपर्क किया था। इसकी शूटिंग में लगभग 5 दिन लगते। शुरू में एक्टर इसके लिए तैयार थे। हालांकि, खान ने अपने ऑनस्क्रीन प्रेजेंस की खासियत बनाए रखने के लिए इसे मना कर दिया। बताया जाता है कि खान ने खुद रजनीकांत से बात की और भविष्य के किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की।

'किंग' के लिए खास लुक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खान ने गुजारिश की थी कि 'जेलर 2' की रिलीज 'किंग' के बाद रखी जाए। इसकी वजह यह थी कि वह चाहते थे कि उनका अपीयरेंस सिर्फ उसी फिल्म के लिए खास रहे। 'किंग' में उनका एक खास लुक है। वह नहीं चाहते कि उससे पहले किसी और फिल्म में उनका वैसा ही लुक हो। 'जेलर 2' के मेकर्स ने इसे अगस्त में रिलीज करने का प्लान बनाया था।

मेकर्स कैमियो पर कर रहे विचार

मेकर्स अब कैमियो रोल के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हाल ही में, मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म लगभग पूरी होने वाली है और यह प्रोजेक्ट अपने पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच गया है। शाहरुख खान की 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं। इसमें दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं। इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी होंगी।

विक्रांत मैसी ने किया खुलासा क्यों लिया था फिल्मों से ब्रेक

एक्टर विक्रांत मैसी ने दिसंबर 2024 में अपने फैंस को चौंका दिया था, जब उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने का ऐलान किया। इसके बाद इंडस्ट्री के प्रेशर और नेपोटिज्म को लेकर कई तरह की चर्चाएं होने लगीं। लेकिन अब विक्रांत ने साफ किया है कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया था। विक्रांत ने अपनी पत्नी शीतल ठाकुर के साथ परिणीति चोपड़ा के शो 'मॉम टॉक्स' में पैरेंटहुड के अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि वर्धान के जन्म के समय उनका काम बहुत ज्यादा था, जिससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से थक गए थे। इसी वजह से उन्होंने परिवार को प्राथमिकता देने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि हम खुद को इमोशनल, शारीरिक और मानसिक रूप से कितना देते हैं। एक नए पिता के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा घर पर ही रहता था। मैंने ये तक नहीं सोचा कि मैं क्या कर रहा हूं या क्यों कर रहा हूं। मैं बस अपने काम जल्दी खत्म करना चाहता था ताकि वर्धान और शीतल के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सकूं।'

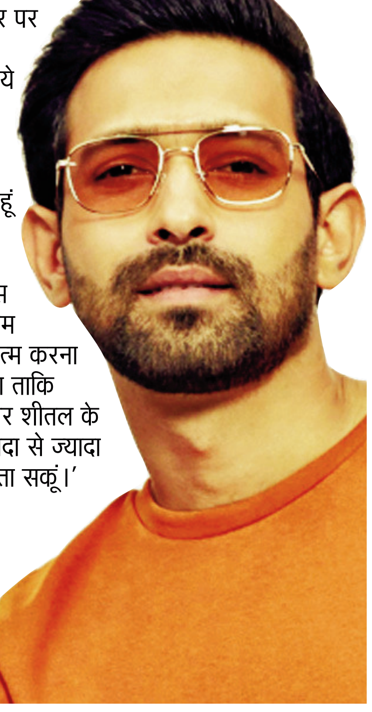

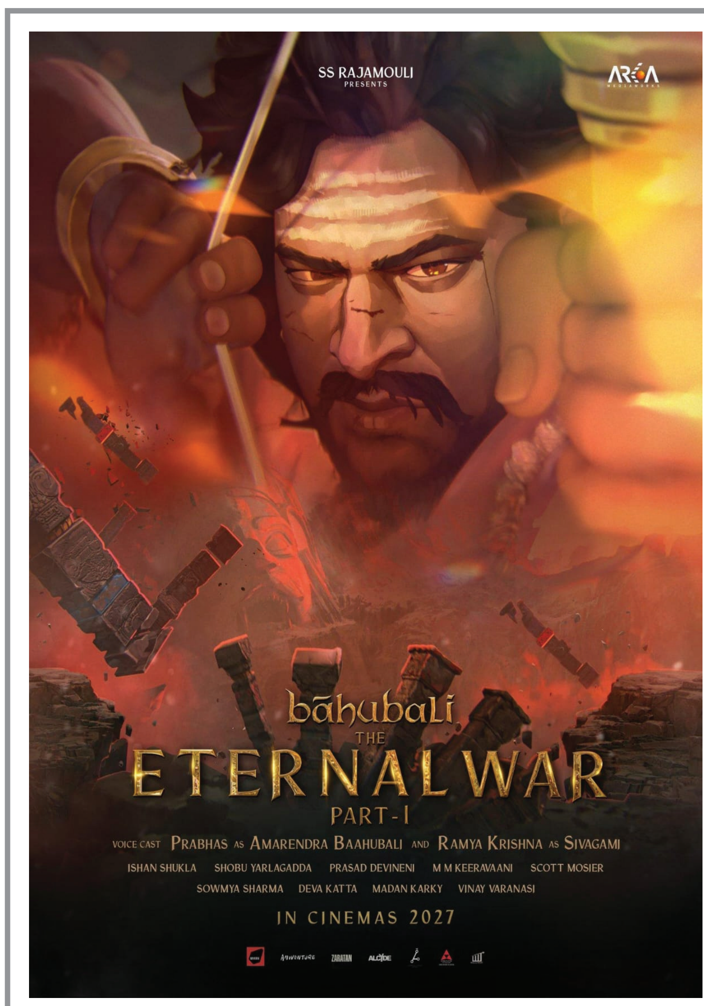

भारतीय सिनेमा का गर्वः 'बाहुबलीः द इटरनल वॉर' का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ सिलेक्शन

बाहुबली फ्रैंचाइज़ी, जिसमें 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' और 'बाहुबली : द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है। यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है। जहाँ थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली : द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीज़र ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है।

'बाहुबलीः द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के 'वर्क इन प्रोग्रेस' (Work in Progress) सेगमेंट में चुने जाने के साथ, यह फिल्म उन चुनिंदा भारतीय एनिमेशन फिल्मों में शामिल हो गई है जिन्हें इस प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि 'स्पाइडर-वर्स' और 2025 में बेस्ट एनिमेशन का ऑस्कर जीतने वाली फिल्म 'फ्लो' (Flow) भी इसी सेगमेंट का हिस्सा रह चुकी हैं, जो बाहुबली फ्रैंचाइज़ी के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

'बाहुबलीः द इटरनल वॉर' के मेकर्स ने जो टॉप-नॉच क्वालिटी और टेक्निकल बारीकियां हासिल की हैं, वे टीज़र में ही साफ़ नज़र आ रही थीं। इसके साथ ही, इस फ्रैंचाइज़ी ने निश्चित रूप से भारतीय एनिमेशन सिनेमा के स्तर को ऊपर उठाया है और वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी है।

एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल हर साल जून के आखिरी हफ्ते में फ्रांस के एनेसी शहर में होता है। यह अलग-अलग तकनीकों (ट्रेडिशनल, कट-आउट, क्लेमेशन, CGI, आदि) से बनी एनिमेटेड फिल्मों के बीच एक कॉम्पिटिशन है। फेस्टिवल के दौरान, शहर के सिनेमाघरों में फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, शहर के केंद्र में झील और पहाड़ों के बीच 'पाक्वियर' (Pâquier) पर एक ओपन-एयर नाइट प्रोजेक्शन भी आयोजित किया जाता है। फेस्टिवल के टॉपिक के हिसाब से विशाल स्क्रीन पर क्लासिक या हालिया फिल्में दिखाई जाती हैं। शनिवार शाम को सभी पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है।

'बाहुबली : द इटरनल वॉर' दो भागों वाला एक एनिमेटेड महाकाव्य है, जिसका निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ईशान शुक्ला ने किया है। पार्ट 1 का टीज़र पहले ही रिलीज़ हो चुका है और फिल्म 2027 में रिलीज़ होने वाली है।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।

अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।